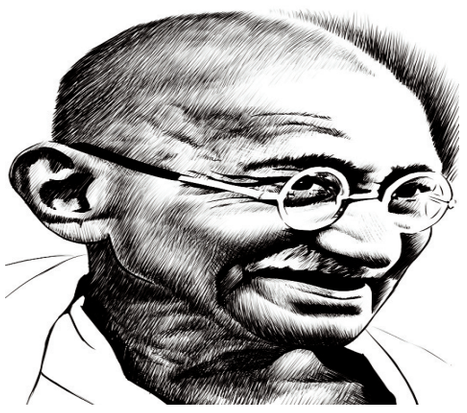

राष्ट्र का एकमेव... महात्मा गांधी के सिद्धांतों का संवाहक

लोक सदन

कोरबा और रायपुर से एक साथ प्रकाशित प्रातः दैनिक

डाक पंजीयन क्रमांक
जी 2-112/सीजी/बी.एल.पी./072/2022-2024

संस्थापक - अमित नवरंगलाल (संपादकीय 7747920885 8770646952)

आर.एन.आई.रजि. क्र.
(CHHHIN/2010/33639)

कोरबा, शुक्रवार 04 अप्रैल 2025

कुल पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रु.

वर्ष - 15

अंक - 316

Epaper : www.loksadan.com

Email : loksadan@gmail.com

विशेष

घुसपैठियों के लिए आसान लांचिंग पैड नेपाल बॉर्डर के मदरसे

– संजय सक्सेना,लखनऊ–

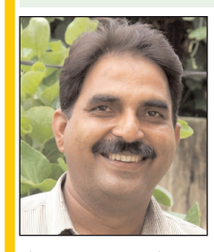

पड़ोसी राज्य नेपाल, भारत और चीन के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी माना जाता है।वैसे तो नेपाल के भारत से हमेशा प्रगाण संबंध रहे हैं,लेकिन पिछले कुछ वर्षो में चीन की भी दखलंदाजी वहां बढ़ी है। चीन के कई प्रोजेक्ट नेपाल में चल रहे हैं। भौगालिक रूप से देखा जाये तो चीन और नेपाल की सीमा 1439 किलोमीटर लम्बी है। वहीं भारत और नेपाल की सीमा की लम्बाई 1751 किलोमीटर है। यह सीमाएं उत्तर प्रदेश, बिहार, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, सिक्किम से जुड़ी हुई हैं। सबसे लम्बी सीमा 726 किलोमीटर बिहार से उसके बाद उत्तर प्रदेश से 551 और उत्तराखंड से 275 किलोमीट और पश्चिमी बंगाल से 100 एवं सिक्किम से 99 किलोमीटर तक जुड़ी हैं। कभी यह सीमाएं लगभग पूरी तरह से खुली रहती थीं, लोग आसानी से बिना वीजा और पासपोर्ट के एक-दूसरे देशों में आ जा सकते थे। दोनों देशों के बीच व्यापार करने पर भी कोई प्रतिबंद्ध नहीं था,लेकिन अब हालात काफी बदल गये हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि अब इन सीमाओं को लांघकर अराजक तत्व और आतंकवादी ताकतें भी भारत में प्रवेश करने लगी हैं। सीमा खुली होने का फायदा उठाकर पाकिस्तानी, बांग्लादेशियों सहित कई देशों के घुसपैठियें और आतंकवादी भारत में आते हैं और यहां आतंक फैलाते हैं। यही वजह है नेपाल और भारत के बीच की सीमा क्षेत्र में सुरक्षा के मुद्दे को लेकर पिछले कुछ सालों में खासी चिंता देखी गई है। सबसे खास बात यह है कि इन घुसपैठियों और आतंकवादियों के लिये भारत-नेपाल के बार्डर के बार्डर पर बने मदरसे सुरक्षित ठिकाना बन कर उभर रहे हैं। कई मदरसों के तार भारत विरोधी ताकतों के साथ जुडे हुए हैं।

नेपाल की सीमा से सटे इलाकों में संदिग्ध गतिविधियों का बढ़ना और आतंकवादियों का घुसपैठ करने का प्रयास स्थानीय पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा रहा है। खासकर, 28 फरवरी को काठमांडू में हुई हिंसा ने इस क्षेत्र में तनाव को और बढ़ा दिया है।यह हिंसा सिर्फ नेपाल तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि भारत में भी सुरक्षा के लिहाज से इसे गंभीर माना जा रहा हैं। नेपाल सीमा के पास रहने वाले एक पूर्व शिक्षक का कहना है कि हाल के दिनों में सरहदी क्षेत्रों में संदिग्ध गतिविधियों का बढ़ना चिंताजनक है। उनका मानना है कि पाकिस्ताान और चीन द्वारा नेपाल सीमा को घुसपैठियों का लॉन्चिंग पैड बनाने की साजिश चल रही है।

... शेष पृष्ठ 2 पर

वक्फ बिल को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी डीएमके , सीएम स्टालिन बोले, तमिलनाडु लड़ेगा और सफल भी होगा

चेन्नई ,03 अप्रैल (आरएनएस)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने गुरुवार को लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक पारित होने की निंदा की और ऐलान किया कि डीएमके इस कानून को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती देगी। तमिलनाडु विधानसभा में सीएम स्टालिन ने कहा, तमिलनाडु लड़ेगा और इस लड़ाई में उसे सफलता मिलेगी।लोकसभा में विधेयक पारित होने के विरोध में डीएमके विधायकों ने विधानसभा सत्र के दौरान काली पट्टियां बांधीं।सीएम स्टालिन ने सदन को याद दिलाया कि 27 मार्च को तमिलनाडु विधानसभा ने वक्फ संशोधन विधेयक को वापस लेने का आग्रह करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसमें कहा गया था कि यह धार्मिक सद्भाव को कमजोर करता है और अल्पसंख्यक मुस्लिम समुदाय पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है।उन्होंने कहा, भारत भर में अधिकांश राजनीतिक दलों ने इस विधेयक का विरोध किया। फिर भी, इसे लोकसभा में पारित कर दिया गया, जो अत्यधिक निंदनीय है। हालांकि यह सदन से पारित हो गया है, लेकिन इसके खिलाफ बड़ी संख्या में वोटों को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।मुख्यमंत्री ने कहा कि 232 सदस्यों ने विधेयक का विरोध किया, यह रेखांकित करते हुए कि यह कोई मामूली आंकड़ा नहीं है। उन्होंने कहा, विपक्ष और भी मजबूत हो सकता था। इस कानून को पूरी तरह से वापस लिया जाना चाहिए।सीएम स्टालिन ने विधेयक को पारित करने के समय और तरीके की भी आलोचना की।उन्होंने कहा, देश के अधिकांश राजनीतिक दलों के विरोध की अनदेखी करते हुए, रात 2 बजे इस तरह के संवेदनशील कानून को पेश करना और पारित करना, भारत के संविधान पर सीधा हमला है और सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ने का प्रयास है।उन्होंने दोहराया कि डीएमके वक्फ (संशोधन) विधेयक को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती देगी, उन्होंने कहा कि तमिलनाडु इस कानून के खिलाफ अपनी कानूनी और राजनीतिक लड़ाई जारी रखेगा।लोकसभा ने 12 घंटे की लंबी बहस के बाद गुरुवार, 3 अप्रैल को तड़के विधेयक पारित कर दिया।

संपादकीय क्लिक

'भीमा तालाब का सूर्यास्त- प्रकृति का एक अविस्मरणीय अनुभव।' जांजगीर

फोटो : सुरेशचंद्र रोहरा

'अंतरात्मा की आवाज सुनें', वक्फ बिल बीजेडी ने बदला रुख

वक्फ संशोधन बिल के कई प्रविधानों का विरोध करते हुए विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए ने लोकसभा में सरकार के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठाई। लेकिन बावजूद इसके बिल पारित हो गया। आज राज्यसभा में बिल पर चर्चा हो रही है। नवीन पटनायक की बीजू जनता दल ने बिल पर अपना विरोध का स्वर छोड़ दिया है। पार्टी ने अपने सांसदों को विवेक का इस्तेमाल करने को कहा है।

नई दिल्ली, 03 अप्रैल (एजेंसी)।

बीजू जनता दल ने वक्फ (संशोधन) विधेयक पर अपना रुख बदल दिया है। लोकसभा में बिल के पेश किए जाने के बाद बीजेडी ने इसके खिलाफ स्टैंड लिया था। लेकिन बावजूद इसके बिल लोकसभा से पारित हो गया।

अब संसद के उच्च सदन यानी राज्यसभा में बिल पर बहस हो रही है। अब बीजेडी ने भी अपना स्टैंड बदल लिया है और पार्टी के सांसदों को अंतरात्मा की आवाज सुनने को कहा है। पार्टी ने साफ कर दिया है कि वोटिंग के लिए कोई व्हिप जारी नहीं किया जाएगा। बीजू जनता दल के वरिष्ठ नेता सस्मित पात्रा ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर इस संबंध में पोस्ट कर कहा, बीजू जनता दल ने हमेशा धर्मनिरपेक्षता और समावेशिता के सिद्धांतों को कायम रखा है तथा सभी समुदायों के अधिकारों को सुनिश्चित किया है। हम वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 के बारे में अल्पसंख्यक समुदायों के विभिन्न वर्गों द्वारा व्यक्त की गई विविध भावनाओं का गहराई से सम्मान करते हैं। उन्होंने आगे लिखा, हमारी पार्टी ने इन विचारों पर सावधानीपूर्वक विचार करते हुए राज्य सभा में हमारे माननीय सदस्यों को न्याय, सद्भाव और सभी समुदायों के अधिकारों के सर्वोत्तम हित में अपने विवेक का प्रयोग करने की जिम्मेदारी सौंपी है। यदि विधेयक मतदान के लिए आता है, तो अपनी अंतर्आत्मा की आवाज सुनें। पार्टी इसके लिए कोई व्हिप जारी नहीं करेगी।

प्रधानमंत्री मोदी का बैंकॉक में जोरदार स्वागत, बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में लेंगे भाग

नई दिल्ली ,03 अप्रैल (आरएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को बैंकॉक पहुंचे। उनका भारतीय प्रवासियों ने मोदी मोदी और वंदे मातरम के नारे लगातार गर्मजोशी से स्वागत किया। थाईलैंड के उप-प्रधानमंत्री सूरिया जुंगरुंगरेंगकिट सहित कई अन्य शीर्ष अधिकारियों ने एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया।पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, बैंकॉक, थाईलैंड में उतरा। आगामी आधिकारिक कार्यक्रमों में भाग लेने, भारत और थाईलैंड के बीच सहयोग के बंधन को मजबूत करने के लिए उत्सुक हूं।प्रधानमंत्री मोदी छठे बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए थाईलैंड में हैं। वह 4 अप्रैल को क्षेत्रीय नेताओं के साथ सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों पर चर्चा करेंगे।पीएम मोदी भारत-थाईलैंड संबंधों को मजबूत करने के लिए थाई नेतृत्व के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी करेंगे।बैंकॉक में आगमन के बाद, प्रधानमंत्री का भारतीय प्रवासियों के साथ बातचीत करने का कार्यक्रम है, जिसमें वह भारत और थाईलैंड के बीच गहरे सांस्कृतिक, आर्थिक संबंधों को रेखांकित करेंगे।इससे पहले, अपने प्रस्थान वक्तव्य में पीएम मोदी ने कहा, प्रधानमंत्री पैतोंगतार्न शिनवात्रा के निमंत्रण पर, मैं आज थाईलैंड की आधिकारिक यात्रा और छठे बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए रवाना हो रहा हूं। उन्होंने कहा, पिछले दशक में, बिम्सटेक बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में क्षेत्रीय विकास, संपर्क, आर्थिक प्रगति को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में उभरा है।

सरस्वती राजेश की आत्मवाणी

ओम शब्द में

ओम शब्द में, ओम शिवा का,
चंद्र, सूर्य यशगान करो।
कण -कण में व्यापक शक्ति का,
अंतर्मन से ध्यान करो।।

ललित छटा से नभ शोभित है,
पुष्कर पदम् विराजे हैं।
आदित्य, प्रभा की सेवा से,
स्वर्ग धरा पर साजे हैं।।
ओम बिना अस्तित्व नहीं है,
परम ज्योति का भान करो।
कण -कण में व्यापक शक्ति का,
अंतर्मन से ध्यान करो...।।

ओम आदि तो अंत ओम है,
देव सृष्टि निर्माण वही।
ओम सनातन सत्य धर्म का,
सृजन कर्ता निर्वाण वही।।
साक्ष्यांकित जीवन मृत्युः का,
मंत्र ओम आह्वान करो ।
कण-कण में व्यापक शक्ति का,
अंतर्मन से ध्यान करो...।।

योगी, भोगी, रोगी सबका,
ओं ही एक निवारण है।
अचूक मंत्र की शक्ति से ही,
जन्मों का उद्धारण है।
विश्वरूप जिसके अंतस में,
नित उसका सम्मान करो।
कण-कण में व्यापक शक्ति का,
अंतर्मन से ध्यान करो...।।
ओम शब्द में, ओम शिवा का,
चंद्र, सूर्य यशगान करो ।
कण -कण में व्यापक शक्ति का,
अंतर्मन से ध्यान करो।।

सरस्वती राजेश साहू
चिचिरदा,
बिलासपुर (छ. ग.)

भारतीय वायुसेना का फाइटर जेट जगुआर दुर्घटनाग्रस्त, एक पायलट की मौत; दूसरे की हालत गंभीर

नई दिल्ली ,03 अप्रैल (आरएनएस)।

गुजरात के जामनगर जिले में भारतीय वायुसेना का एक जगुआर फाइटर जेट बड़ा हादसे का शिकार हो गया।

इस दुर्घटना में एक पायलट की मौत हो गई, जबकि दूसरा घायल हो गया है। जामनगर के पुलिस अधीक्षक प्रेमसुख डेलू ने घटना की पुष्टि की है। भारतीय वायुसेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक बयान जारी कर बताया कि विमान को तकनीकी खराबी का सामना करना पड़ा था। पायलटों ने विमान को आबादी वाले क्षेत्र से दूर ले जाने की कोशिश की। इसी दौरान दुर्घटना हो गई। पुलिस के अनुसार, विमान में दो पायलट सवार थे। हादसे के समय एक पायलट समय रहते विमान से बाहर निकलने में सफल रहे, जबकि दूसरे पायलट की मौत हो गई। घायल पायलट का अस्पताल में इलाज चल रहा है। यह दुर्घटना जामनगर शहर से लगभग 12 किलोमीटर दूर सुवरदा गांव के पास हुई। सामने आए एक वीडियो में खेत में आग लगी हुई दिखाई दे रही है। विमान का कॉकपिट और पिछला हिस्सा अलग-अलग स्थानों पर पड़ा हुआ है, और दोनों हिस्सों में आग लगी हुई थी।भारतीय वायुसेना ने पायलट की मौत पर गहरा शोक व्यक्त किया है और कहा है कि वह शोकाकुल परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है।

संसद में वक्फ विधेयक को जबरन पारित किया गया, यह संविधान पर सीधा हमला है : सोनिया

नई दिल्ली ,03 अप्रैल (आरएनएस)।

कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक पारित होने पर अपनी पहली प्रतिक्रिया में इसे संविधान पर सीधा हमला बताया और कांग्रेस सांसदों से कहा कि वे भाजपा शासित एनडीए सरकार की नाकामियों को आक्रामकता के साथ उजागर करें।

सोनिया गांधी ने कांग्रेस संसदीय दल की बैठक में कहा कि वक्फ विधेयक को जबरदस्ती संसद से पास कराया गया। उन्होंने कहा, यह विधेयक संविधान पर सीधा हमला है। यह समाज को हमेशा बांटकर रखने की भाजपा की सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है।उन्होंने वन नेशन, वन इलेक्शन बिल पर भी कड़ी आपत्ति जताई और इसे संविधान के साथ छेड़छाड़ बताया। सोनिया गांधी ने कहा कि दो साल पहले संसद में महिला आरक्षण विधेयक पारित हुआ था, लेकिन अब तक इसमें एससी, एसटी और ओबीसी महिलाओं को एक-तिहाई आरक्षण देने की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने मोदी सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि यूपीए सरकार के समय शुरू किए गए चार प्रमुख कानून- सूचना का अधिकार (आरटीआई), मनरेगा, वन अधिकार कानून और भूमि अधिग्रहण कानून को वर्तमान सरकार कमजोर कर रही है। उन्होंने यह भी बताया कि 2013 में लागू राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून से 80 करोड़ लोगों को लाभ मिल रहा है, लेकिन जनगणना न होने के कारण 14 करोड़ लोग अपने अधिकार से वंचित रह गए हैं। सोनिया गांधी ने कांग्रेस नेताओं से यह भी अपील की कि वे मोदी सरकार द्वारा उनकी योजनाओं को हथियाने और अपना बताकर दोबारा पेश करने की कोशिशों के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखें। उन्होंने कहा, मोदी सरकार देश को ऐसे हालात में ले जा रही है, जहां संविधान सिर्फ कागजों तक सीमित रह जाएगा। हमें सच के लिए लड़ाई जारी रखनी होगी और सरकार की नाकामियों को उजागर करना होगा। सोनिया गांधी ने यह भी कहा कि 2004 से 2014 के बीच यूपीए सरकार की कई योजनाओं को एनडीए सरकार ने नए रूप में पेश कर अपनी उपलब्धि के रूप में प्रचारित किया है। कांग्रेस को इन सच्चाइयों को जनता तक पहुंचाने के लिए और प्रयास करने होंगे।सोनिया गांधी ने कहा कि संसद में भाजपा सांसद कांग्रेस शासित राज्यों को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस सांसदों से भी केंद्र सरकार की नाकामियों को उजागर करने के लिए उतनी ही जोरदार और आक्रामक रणनीति अपनाने की अपील की।

Fixssion कार्टून कोना

वक्फ कानून भारी विरोध प्रदर्शन जारी

प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदरदास मोदी का मास्टर स्ट्रोक

क्रिएटिव टीम- लोक सदन

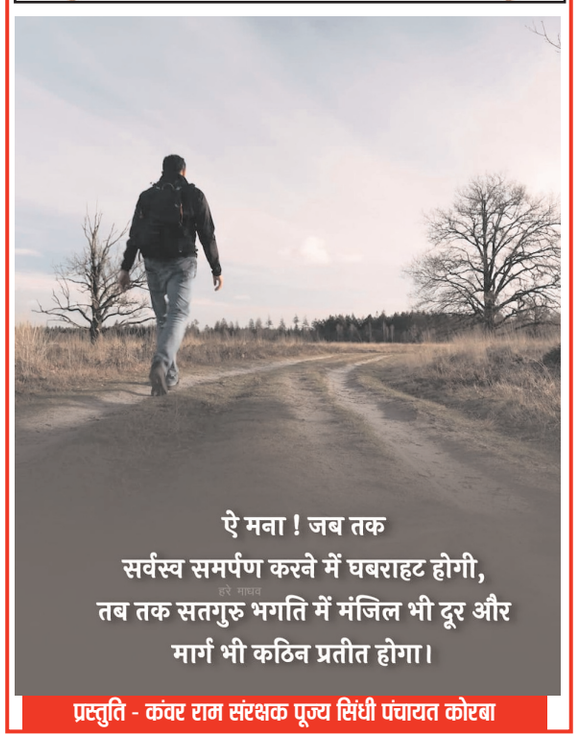

योग आयोग के नवनियुक्त अध्यक्ष के पदभार ग्रहण हेतु अभिनंदन समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री साय

रायपुर, 03 अप्रैल
(लोकसदन ब्यूरो)।

योग आत्मा, मन और शरीर को संतुलित करने का सबसे बड़ा माध्यम है। हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने योग को विश्वपटल पर स्थापित किया और आज पूरी दुनिया भारत की इस प्राचीन विधा को अपनाकर आरोग्य की प्राप्ति कर रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज छत्तीसगढ़ योग आयोग के नवनियुक्त अध्यक्ष श्री रूपनारायण सिन्हा के पदभार ग्रहण हेतु अभिनंदन समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही।

वैदिक मंत्रोच्चार के साथ राजधानी रायपुर के दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित गरिमामयी समारोह में मुख्यमंत्री श्री साय ने संतों का अभिवादन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने योग आयोग के नव-नियुक्त अध्यक्ष श्री सिन्हा को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि श्री सिन्हा को छत्तीसगढ़ को जोड़ने और स्वस्थ रखने की बड़ी जिम्मेदारी मिली है। जनसेवा को समर्पित उनका सामाजिक जीवन और सांगठनिक दायित्वों के लंबे अनुभव का लाभ योग आयोग के साथ ही प्रदेशवासियों को भी मिलेगा। 2017 में स्थापित योग आयोग की अब तक की यात्रा शानदार रही है और श्री सिन्हा के नेतृत्व में यह नए कीर्तिमान स्थापित करेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भारत में योग ऋषि-मुनियों की देन है और वे इस सुंदर परंपरा के संवाहक भी हैं। योग शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक अभ्यास है और इसका अर्थ है जुड़ना या एकजुट होना, जो शरीर और चेतना के मिलन का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से ही योग रूपी इस चेतना का विश्वभर में विस्तार हुआ और संयुक्त राष्ट्र संघ ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने को मान्यता दी। श्री साय ने कहा कि योग विश्वभर में विभिन्न रूपों में प्रचलित है और इसकी लोकप्रियता निरंतर बढ़ रही है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर सभी से अपील करते हुए कहा कि हमें स्वस्थ तन-मन के लिए योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए और भावी पीढ़ी को योग से जोड़कर इसका महत्व समझाना चाहिए। योग आयोग के नवनियुक्त अध्यक्ष श्री रूपनारायण सिन्हा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि योग सभी के लिए है और सभी को जोड़ने का काम करता है। संगठन में काम करते हुए सदैव मैंने लोगों को जोड़ने का कार्य किया है और आज मुझे योग आयोग के माध्यम से सभी को जोड़ने की बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। श्री सिन्हा ने कहा कि प्रकृति में अनेक महत्वपूर्ण संपदाएं उपलब्ध हैं, परंतु इनमें सर्वश्रेष्ठ मानव संपदा है। मुख्यमंत्री जी ने मुझे मानव संपदा को स्वस्थ रखने का जिम्मा सौंपा है और इसे पूरा करने के लिए योग को जन-जन तक पहुंचाना हमारा लक्ष्य है।हमारे प्रधानमंत्री जी नियमित योग करते हैं। उनकी ऊर्जा और कार्यक्षमता से आज सारी दुनिया वाकिफ है। श्री सिन्हा ने योग की विश्वव्यापी लोकप्रियता और प्रासंगिकता पर अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा, पूर्व राज्यपाल श्री रमेश बैस, विधायक गुरु खुशवंत साहेब, विधायक श्री मोतीलाल साहू, विधायक श्री संपत अग्रवाल, विधायक श्री अनुज शर्मा, डॉ. रामप्रताप सिंह, श्री संजय श्रीवास्तव, महामंडलेश्वर श्री हरिहरानंद महाराज, पूज्य संत उदयनाथ जी महाराज, श्री वासु देवानंद जी महाराज, समाज कल्याण विभाग के सचिव श्री भुवनेश यादव, संचालक समाज कल्याण श्रीमती रोक्तिमा यादव सहित पूजनीय संत समाज, योग आचार्य और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

एबीवीटीपीएस से सेवानिवृत्त हुए कनिष्ठ पर्यवेक्षक को दी गई भावपूर्ण विदाई

जांजगीर, 03 अप्रैल
(लोकसदन ब्यूरो)।

अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह (एबीवीटीपीएस) मड़वा से मार्च माह में कनिष्ठ पर्यवेक्षक अलेक्जेंडर तिग्गा सेवानिवृत्त हो गए। सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारी को पॉवर कंपनी परिवार की ओर से भावपूर्ण विदाई दी गई। इस अवसर पर कार्यक्रम के अध्यक्ष मुख्य अभियंता एचएन. कोसरिया ने उनके कार्यों की सराहना करते हुए पॉवर कंपनी की ओर से आभार जताया।

मुख्य अभियंता के हाथों सेवानिवृत्त कर्मचारी को स्मृति चिह्न व सेवा प्रमाण-पत्र भेंट किया गया। समारोह में विशिष्टि अतिथि अतिरिक्त मुख्य अभियंता एसडी द्विवेदी, आरके साव, एन. लकरा एवं एके शाह की गरिमामयी उपस्थिति रही। कांफ्रेंस हाल में आयोजित विदाई समारोह में मुख्य अभियंता एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा सेवानिवृत्त कर्मचारी को स्वस्थ व सुखमय जीवन की शुभकामनाएं दी गईं। अलेक्जेंडर तिग्गा के कार्यों को याद करते हुए मुख्य अभियंता ने कहा कि वे फुटबाल के बेहतरीन खिलाड़ी हैं। उन्होंने विद्युत संयंत्र में 40 वर्ष कोल हैंडलिंग प्लांट में शिफ्ट ड्यूटी किया है। श्री तिग्गा ने विद्युत मंडल एवं पॉवर कंपनी में 40 वर्ष 7 माह व 11 दिन की सेवाएं दी हैं। उनकी प्रथम नियुक्ति केटीपीएस कोरबा पूर्व में 22 अगस्त 1984 को संयंत्र परिचारक श्रेणी-तीन के तौर पर हुई थी।

पदोन्नति मिलने पर मड़वा संयंत्र में 04 अप्रैल 2021 को नियुक्त किए गए थे। इस अवसर पर सेवानिवृत्त कर्मचारी द्वारा अपने कार्यकाल के अनुभवों को साझा किया गया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए कल्याण अधिकारी आरएस. टेकाम द्वारा सेवानिवृत्त कर्मचारी का संक्षिप्त जीवन परिचय का उल्लेख किया गया। कार्यक्रम में रामनारायण राठौर एवं विजय कुमार मिश्रा को विशेष सहयोग रहा।

महापौर ने मुक्तिधाम व बंद पड़े स्वर्ग पार्क के साफ-सफाई का निरीक्षण कर सौन्दर्यीकरण कराये जाने के दिये निर्देश

एमसीबी/ चिरिमिरी, 03 अप्रैल (लोकसदन ब्यूरो)।

नगर पालिक निगम के महापौर रामनरेश राय ने गुरूवार को नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले डोमनहिल स्थित मुक्तिधाम एवं बंद पड़े स्वर्ग पार्क के साफ-सफाई का निरीक्षण कर मुक्तिधाम व पार्क परिसर का सौन्दर्यीकरण कराये जाने हेतु निगम के संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

महापौर प्रतिदिन नगर की समुचित व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे हैं, इसी क्रम में उन्होंने डोमनहिल के मुक्तिधाम व बंद पड़े स्वर्ग पार्क के कूड़ा-करकट, साफ-सफाई सहित अन्य सौंदर्यीकरण कार्य का निरीक्षण किया और स्वयं स्थल पर खड़े होकर पूरे परिसर की सफाई कार्य कराये। महापौर रामनरेश राय ने बताया कि नगर की सफाई के साथ-साथ मुक्तिधाम व स्वर्ग पार्क परिसर भी साफ-सुथरा रहना स्वच्छता के प्रति अच्छा संदेश है। उन्होंने आमजनों से अपील करते हुए कहा कि नगर को स्वच्छ व सुंदर बनाए रखने में सहयोग प्रदान करें, जिससे शहर को एक स्वच्छ व सुंदर चिरमिरी के रूप में हम विकसित कर सकें। इस दौरान नगर निगम के एमआईसी सदस्य नरेन्द्र साहू, पार्षद संजीत सिंह, नगर निगम के सहायक अभियंता विजय बधावन, स्वच्छता निरीक्षक रामगोपाल मलिक व निगम के स्वच्छता सुपरवाइजर व अन्य मौजूद रहे।

चिरमिरी में मुस्लिम व्यापारी भाइयों के द्वारा मनाया गया ईद मिलन समारोह

एमसीबी/ चिरिमिरी, 03 अप्रैल(लोकसदन ब्यूरो)।

ईद उल फितर के मुबारक मौके पर चिरमिरी के मुस्लिम व्यापारी भाइयों के द्वारा हल्दीबाड़ी पंजाब नेशनल बैंक के सामने ईदुल फितर सभी व्यापारियों के साथ मिलकर मनाया गया जिसमें समाज के सभी वर्गों के द्वारा बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के संबंध मे नौशाद भाई ने बताया कि यह कार्यक्रम मुख्य रूप से हल्दीबाड़ी के मुस्लिम व्यापारी के सहयोग से किया जाता है जिसमें चिरमिरी शहर के राजनीति दल , सामाजिक संगठन, व्यापारिक साथियों महिला मंडल सभी को आमंत्रित किया जाता है एवं उनके साथ आपसी भाई चारे के इस त्योहार को मनाया जाता हैं!

इस कार्यक्रम में व्यापार संघ चिरमिरी के अध्यक्ष नीटू कोहली जी , चिरमिरी के प्रथम नागरिक महापौर राम नरेश राय जी कांग्रेस के जिला अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव जी, दोनों अंजुमनों के सदर सफीक अहमद एवं सैय्यद आबिद ,नव जवाने मोहर्रम कमेटी के सदर अनवर खान नियाजी ,पार्षद साथीगण, हम सेवा संस्था के अध्यक्ष एवं गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के पूर्व विधानसभा प्रत्याशी रहे भाई शेख इस्माइल सहित शहर एवं समाज के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे । कार्यक्रम में सबसे पहले आए हुए अतिथियों को पुष्प देकर स्वागत किया गया तत्पश्चात मीठी ईद की खास सेवई को सभी को खिलाया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मुख्य रूप से नसीम अकरम , शेख नसरुद्दीन शेख कलीम , हाशमी बेग,सैय्यद जब्बार अली , सईद खान , हबीब खान जी ,अफरोज भाई, कफील भाई महमूद भाई रिंकू इरशाद भाई ,नंद कुमार आयाम जी, मो छोटू , राजू भाई , गुड्डू भाई एवं सभी व्यापारी साथियों का विशेष सहयोग रहा ।

बीजापुर में छात्र की संदिग्ध मौत, परिजनों का शिक्षा विभाग पर लापरवाही और दबाव बनाने का आरोप

बीजापुर, 03 अप्रैल
(लोकसदन ब्यूरो)।

पोटाकेबिन दुगाईगुड़ा में अध्ययनरत छात्र नीतीश ध्रुवा की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत को लेकर कांग्रेस विधायक विक्रम मंडावी ने प्रेस वार्ता आयोजित कर भाजपा सरकार और शिक्षा विभाग पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने बताया कि उसूर ब्लॉक के जिन्निप्पा गांव निवासी नीतीश ध्रुवा कक्षा तीसरी का छात्र था, जिसकी परीक्षा 1 अप्रैल से शुरू होनी थी। लेकिन 29 मार्च को अचानक उसकी तबीयत खराब होने की सूचना उसकी मां को फोन पर दी गई। जब मां पोर्टा केबिन पहुंची तो बच्चा बिना कपड़ों के बिस्तर में पड़ा हुआ था और वहां के कर्मचारी उसे घर ले जाने का दबाव बना रहे थे। इसके बावजूद कि उसकी परीक्षा निकट थी, उसे पोटाकेबिन से ले जाने को मजबूर किया गया।

मां रतनी ध्रुवा अपने बीमार पुत्र को घर ले आई, लेकिन उसकी तबीयत और बिगड़ती गई और अंततः 31 मार्च की शाम 6 बजे उसकी मृत्यु हो गई। परिजनों ने दावा किया कि छात्र पोर्टा केबिन में ही बीमार हुआ था और वहां उसकी देखभाल नहीं की गई। इस गंभीर मामले की जांच के लिए प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष कमलेश कारम के नेतृत्व में पांच सदस्यीय जांच दल गठित किया, जिसमें ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सुकलू पुनेम, जनपद सदस्य मनोज अवलम, अनीता तेलम और सरस्वती वासम शामिल थे। जांच दल ने 2 अप्रैल को मृतक छात्र के गृह ग्राम और पोर्टा केबिन का दौरा कर परिजनों, पोटाकेबिन के अधीक्षक, कर्मचारियों और सहपाठियों से जानकारी जुटाई। जांच में सामने आया कि बीजापुर जिले में भ्रष्टाचार और प्रशासनिक लापरवाही चरम पर है। पोटाकेबिन के अधीक्षक बोड़के भास्कर ने बताया कि उन्हें छात्र की मौत की जानकारी 1 अप्रैल को फोन पर मिली। शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने मामले को रफा-दफा करने के लिए फर्जी पंचनामा तैयार कर परिजनों से जबरन हस्ताक्षर कराए। इतना ही नहीं, मृतक के परिजनों को 45000 रुपये की पेशकश की गई, जिसमें से 5000 रुपये अग्रिम रूप से दिए गए और शेष 40000 रुपये बाद में देने का वादा किया गया। परिजनों का कहना है कि शिक्षा विभाग झूठे दावे कर रहा है और बच्चा पोटाकेबिन में ही बीमार हुआ था। विधायक विक्रम मंडावी ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जब से भाजपा सत्ता में आई है, बीजापुर जिले के आश्रमों, छात्रावासों और पोटाकेबिनों में पढ़ने वाले छात्रों की सुरक्षा खतरे में है। आए दिन वहां अनियमितताएं सामने आ रही हैं और छात्रों की जान जा रही है। लेकिन अब तक किसी भी जिम्मेदार अधिकारी के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, जो सरकार की उदासीनता को दर्शाता है।

उन्होंने मांग की कि इस पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों। यदि कार्रवाई नहीं हुई तो कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर धरना प्रदर्शन करेगी। प्रेस वार्ता में पीड़ित परिवार के साथ पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष शंकर कुड़ियम, जिला पंचायत सदस्य नीना रावतिया उद्दे, बसंत ताटी, सुखदेव नाग, जितेंद्र हेमला, बेनहूर रावतिया सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

... प्रथम पृष्ठ का शेष

विशेषः घुसपैठियों के लिए....

उनका यह भी कहना है कि कुछ मजहबी शिक्षण संस्थानों में भारत से भागने वाले कुख्यात अपराधियों से लेकर भारत में घुसपैठ करने वाले आतंकवादियों को भी शरण मिल रही है। बीते फरवरी महीने में सीमा से बांग्लादेशी नागरिक को पकड़ा गया था, जिसे नेपाली मदरसे में शरण मिली थी। यह घटना यह साबित करती है कि नेपाल में कुछ जगहें आतंकवादी गतिविधियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह बन चुके हैं। नेपाली सुरक्षा एजेंसी की रिपोर्ट इस बात की पुष्टि करती है कि बांग्लादेश के एक आतंकवादी संगठन जमात-उल-मुजाहिदीन के आतंकवादी को नेपाल के सीमा क्षेत्र में पनाह दी गई थी। इसी तरह, अलकायदा इन इंडियन सब कांटिनेंट (एक्यूआईएस) जैसे अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी संगठन भी नेपाल के बदलते हालात का फायदा उठा सकते हैं। इन संगठनों का लक्ष्य भारत में घुसपैठ कर आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देना हो सकता है। इस संदर्भ में पूर्व आईबी अधिकारी प्रवीण गर्ग का कहना है कि काठमांडू में जो हिंसा हुई, वह नेपाल में राजाबादी आंदोलन को बदनाम करने की एक साजिश हो सकती है। उनके अनुसार, बांग्लादेश को अस्थिर करने के बाद, पाकिस्तान और चीन के सुरक्षा एजेंसियां नेपाल को भी अस्थिर करने की कोशिश कर रही हैं। इन दोनों देशों की खुफिया एजेंसियों की नेपाल में सक्रियता इस संभावना को और मजबूत करती है। खासकर इस साल की शुरूआत से इन दोनों देश की एजेंसियों की भारत से सटे नेपाली क्षेत्र में बढ़ी सक्रियता एक गंभीर चिंता का विषय है। चौकाने वाली बात यह भी है कि जो नेपाल कुछ वर्षों तक हिन्दू राष्ट्र होता था,वहां अब शरिया कानून की मांग भी उठने लगी है, जो कि पहले नेपाल के मुसलमानों के लिए एक दूर का ख्वाब था। लेकिन अब इसे संसद में कुछ मुस्लिम सांसदों द्वारा उठाया गया है, जो इसे नेपाल के लिए एक नई राजनीतिक दिशा के रूप में देख रहे हैं। वैसे मुस्लिमों की बढ़ती आबादी और शरिया कानून की वकालत के बीच हिन्दू संगठन भी एक बार फिर से नेपाल को हिन्दू राष्ट्र घोषित करने की वकालत करने लगे हैं। हालांकि, राजनीति के कई जानकार नेपाल में शरिया कानून की मांग को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस द्वारा प्रायोजित किया हुआ कदम बता रहे है, जो नेपाल को राजनीतिक रूप से अस्थिर करने की साजिश का हिस्सा है। नेपाली सीमा पर बढ़ रही इन आतंकी गतिविधियों की ओर इशारा करते हुए आंकड़े भी सामने आए हैं, जो यह साबित करते हैं कि भारत में आतंकवादियों के घुसपैठ के प्रयास बढ़े हैं। बात बार्डर पर चल रहे मदरसों की आतंकवादी गतिविधियों में लिप्तता की कि जाये तो इसके कई केस मिल जाते हैं। इसी वर्ष के शुरूआती महीनों में मटर-धमऊर क्षेत्र के पिलर संख्या 501-6 के पास से एक बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया गया था, जिसे मदरसा मदीनतुल में शरण मिली थी। इसी तरह, 2024 में हिजबुल मुजाहिद्दीन के तीन आतंकवादी गिरफ्तार हुए थे, जो नेपाली सीमा के पास स्थित एक मदरसे में ठहरे हुए थे। 2020 में पापलुर फ्रंट ऑफ इंडिया के एक ट्रेनिंग कमांडर राशिद को गिरफ्तार किया गया था, जो नेपाल सीमा से सटे मदरसे में सक्रिय था। इस तरह की घटनाएं यह साबित करती हैं कि नेपाल सीमा पर आतंकवादियों की सक्रियता बढ़ रही है, और सुरक्षा एजेंसियों को इसके प्रति सजग रहने की आवश्यकता है।इसके लिये मदरसों के भी पेंच कसना जरूरी है। गौरतलब हो, सुरक्षा एजेंसियों के पास भी नेपाल सीमा से जुड़ी एक लंबी सूची है, जिसमें विभिन्न आतंकवादियों की गिरफ्तारी का जिक्र है। 2015 में पाकिस्तानी वैज्ञानिक डॉ. जावेद को सोनौली बॉर्डर से गिरफ्तार किया गया था, जो नेपाल में ठहरे हुए थे। 2013 में आतंकवादी अब्दुल करीम टुंडा को नेपाल से भारत में घुसने की कोशिश के दौरान पकड़ा गया था, और इसी साल यासीन भटकल भी गिरफ्तार हुआ था।

यही नहीं, 2010 में बढ़नी बॉर्डर से इंडियन मुजाहिद्दीन का आतंकवादी सलमान उर्फ छोटू को गिरफ्तार किया गया था, जो एक नेपाली मदरसे में पनाह लिए हुए था। यह घटनाएं दर्शाती हैं कि नेपाल से घुसने वाले आतंकवादियों की संख्या समय के साथ बढ़ी है और सुरक्षा एजेंसियों को इस पर गंभीर ध्यान देने की आवश्यकता है। इसी के चलते भारतीय सुरक्षा बलों ने नेपाल से सटी सीमा पर गश्त बढ़ा दी है और इन क्षेत्रों में संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए उच्च तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। हालांकि, नेपाल में इन आतंकवादियों की गतिविधियों को लेकर पूरी तरह से नियंत्रण पाना चुनौतीपूर्ण हो सकता है, क्योंकि नेपाल के अंदर भी कई मदरसे और धार्मिक संस्थान आतंकवादी गतिविधियों के लिए सुरक्षित ठिकाने बन चुके हैं। इन आतंकवादी समूहों के पास न सिर्फ भारतीय बल्कि नेपाली क्षेत्र में भी अपनी जड़ें फैलाने की क्षमता है,जो दोनों ही मुल्कों के लिये बड़े खतरे का संकेत है।

समय रहते नेपाल सरकार ने सख्त कदम नहीं उठाये तो दिन पर दिन हालात और भी खराब होते जायेगे। ऐसे में यह महत्वपूर्ण है कि नेपाल और भारत दोनों देश मिलकर सीमा पर सुरक्षा उपायों को और मजबूत करें और आतंकवाद के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करें। अंततः, यह कहना गलत नहीं होगा कि नेपाल सीमा पर बढ़ती आतंकी गतिविधियों और घुसपैठ के प्रयासों के बीच दोनों देशों के सुरक्षा बलों के बीच समन्वय और सक्रियता बढ़ाने की आवश्यकता है। साथ ही, नेपाल को अपने आंतरिक सुरक्षा उपायों को भी मजबूत करना होगा ताकि वह आतंकवादियों की गतिविधियों को अपनी सीमा से बाहर रख सके और भारतीय क्षेत्र में उनकी घुसपैठ को रोका जा सके। यह दोनों देशों की सुरक्षा और शांति के लिए आवश्यक है।

न्यायालय तहसीलदार दीपका, जिला - कोरबा (छ0ग0)

-ईश्तहार -

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक इन्द्रपाल सिंह कंवर पिता स्व. मोहर सिंह जाति कंवर निवासी तुमान तहसील पोड़ी-उपरोड़ा जिला कोरबा के द्वारा ग्राम गेवरा तहसील दीपका में आवेदक के पिता मोहर सिंह पिता अमीर सिंह के नाम पर हक स्वामी भूमि ख.नं. 428/7, 429/7 कुल रकबा 0.061 हे. भूमि स्थित हैं उक्त भूमि एसईसीएल कुसमुण्डा परियोजना में अर्जित कर ली गई है। मोहर सिंह पिता अमीरं सिंह की मृत्यु दिनांक 09.04.2017 को हो गया है। आवेदक द्वारा फौती दर्ज कर राजस्व रिकार्ड दुरूस्त करने बाबत् अनुविभागीय अधिकारी (रा.) कटघोरा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार की आपत्ति दावा प्रस्तुत करना हो तो वे दिनांक 11/04/2025 तक स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते है, नियत तिथि के बाद में प्रस्तुत आपत्ति दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अतः आज दिनांक 26/03/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की सील मुद्रा से ईश्तहार जारी किया गया।

तहसीलदार
दीपका, जिला
कोरबा (छ.ग.)

सील

न्यायालय सक्षम प्राधिकारी/अ.वि.अ. (रा.) कोरबा, जिला- कोरबा (छ.ग.)

-ईश्तहार -

रा0प्र0क0 /अ-2/2024-2025
ग्राम- कोथरी प0ह0नं0-11
तहसील- बरपाली
जिला कोरबा छ0ग0

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती संगीता अग्रवाल पति श्री मनोज कुमार अग्रवाल जाति अग्रवाल (गैर आदिवासी) निवासी ग्राम म.नं. 823/34 इंदु ब्युटी पार्लर के सामने मिशन रोड कोरबा थाना तह. व जिला कोरबा (छ.ग.) के द्वारा ग्राम कोथारी प.ह.न. 11 तहसील व जिला कोरबा में स्थित भूमि ख0नं0 124/1 रकबा 0.211 हे. भूमि को व्यवसायिक प्रयोजन हेतु पुनर्निर्धारण करने नक्शा, खसरा, बी-1, ऋण पुस्तिका, बयनामा की छायाप्रति, सहित आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव उपरोक्तानुसार वर्णित भूमि का जिस किसी व्यक्ति/संस्था/समिति को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे अपना दावा आपत्ति इस न्यायालय में प्रकरण में नियत आगामी सुनवाई तिथि 16/04/2025 तक स्वयं या अपने वैध अभिकर्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते है। नियत अवधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 28/03/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया ।

सक्षम प्राधिकारी
अ.वि.अ. (रा.) कोरबा,
जिला-कोरबा (छ.ग.)

सील

खास @ न्यूज

बालको सेक्टर-5 में अतिक्रमण को लेकर मचा हंगामा-प्रशासन ने संभाली स्थिति

लोकसदन 03 अप्रैल 2025
कोरबा, (ब्यूरो)।

डेली मार्केट क्षेत्र बालको के बाद अब सेक्टर 5 में भी अतिक्रमण का मामला गरमाया रहा। जानकारी के अनुसार बालको सेक्टर 5 विद्यालय के पास खाली जमीन पर बड़ी संख्या में कुछ महिलाएं पहुंचीं और वहां बांस-बल्ली गाड़कर कब्जा करने लगीं। सूचना मिलते ही बालको प्रशासन हरकत में आया और मौके पर भारी संख्या में सुरक्षाकर्मी एवं अधिकारी पहुंच गए। जब प्रशासन ने लोगों को कब्जा करने से रोका, तो विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते माहौल तनावपूर्ण हो गया, जिसके बाद पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अतिक्रमण करने पहुंचे लोग आपस में ही जमीन के हिस्से को लेकर झगड़ने लगे। विवाद इस बात पर होने लगा कि कौन कितनी जमीन घेर सकता है। मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों और अधिकारियों ने स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। अधिकारियों का कहना है कि यह जमीन सरकारी संपत्ति है और इस पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वहीं, अतिक्रमण करने वाले लोगों का तर्क है कि वे बेघर हैं और रहने के लिए उन्हें यह जमीन चाहिए। पुलिस प्रशासन ने स्थिति को देखते हुए 112 टीम को बुलाया और मौके पर शांति व्यवस्था कायम की। फिलहाल प्रशासन ने अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है और आगे की कार्यवाही के लिए जांच जारी है। अब जिला प्रशासन को अवैध कब्जे सख्त कार्यवाही करने की जरूरत है।

सड़क दुर्घटनाः परीक्षा देकर घर लौट रही छात्रा घायल

लोकसदन 03 अप्रैल 2025
कटघोरा, (प्रतिनिधि)।

तहसील अंतर्गत कटघोरा-कसनिया मोड़ के पास हुई एक सड़क दुर्घटना में एक छात्रा घायल हो गई। बताया जा रहा हैं की एक कार चालक ने बाइक को टक्कर मार दी। जानकारी के अनुसार, सविता मरकाम नामक छात्रा अपने मामा के लड़के के साथ बाइक पर घर लौट रही थी, जब यह हादसा घटित हुआ। दोनों के सिर पर चोटें आई हैं, जिसमें युवक की हालत गंभीर बताई जा रही है।घटना के बाद आसपास के लोगों ने एंबुलेंस को सूचना दी, जिसने घायलों को कटघोरा के श्री गोपाल मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सको के अनुसार युवक की हालत चिंताजनक बनी हुई है, जबकि सविता को सिर में चोट आई है, लेकिन उसकी स्थिति फिलहाल स्थिर है। इस घटना ने फिर से सड़क सुरक्षा और लापरवाह वाहन चालकों के खिलाफ प्रश्न चिन्ह खड़ा कर दिया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और कार चालक की पहचान करने में जुटी है।

एसबीआई लोक सेवा केंद्र से नकाबपोश बदमाशों ने शटर तोड़कर चुराए लगभग 15 हजार रुपये

लोकसदन 03 अप्रैल 2025
कोरबा, (ब्यूरो)।

सिविल लाइन थाना क्षेत्र स्थित जेल के पास एसबीआई लोक सेवा केंद्र (चॉइस सेंटर) में चोर ने शटर का ताला तोड़कर चोरी की। वहा से 15 हजार रुपये कैश लेकर चोर फरार हो गया। चोरी की वारदात सेंटर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। मामले की शिकायत मिलने पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। एसबीआई लोक सेवा केंद्र के संचालक विकास सिंह राणा ने बताया कि उन्होंने रोज की तरह बुधवार रात 9 बजे चॉइस सेंटर बंद किया और घर चले गए। लेकिन जब वे गुरुवार सुबह चॉइस सेंटर पहुंचे, तो शटर का ताला टूटा हुआ था। अंदर जाने पर सारा सामान बिखरा पड़ा था और लॉकर का ताला टूटा मिला, जिसमें से लगभग 15 हजार रुपये की नकदी चोरी हो गई। चोरों की पूरी करतूत चॉइस सेंटर के अंदर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पहले चोर ने चॉइस सेंटर के बाहर लगे दोनों कैमरों के साथ छेड़छाड़ की और उन्हें दूसरी दिशा में घुमा दिया। लेकिन अंदर लगे कैमरे में नकाबपोश चोर की हरकतें साफ रिकॉर्ड हो गईं। चॉइस सेंटर संचालक ने जानकारी देते हुए बताया की यह तीसरी बार है जब उनके चॉइस सेंटर में चोरी हुई है। इससे पहले हुई दो घटनाओं में चोर पकड़े जा चुके हैं, लेकिन एक बार फिर चोरी की वारदात सामने आई है। इस समय चॉइस सेंटर में विकास सिंह के अलावा एक और कर्मचारी काम करता है, जो शादी समारोह के लिए बाहर गया हुआ था। मामले की सूचना मिलते ही सिविल लाइन थाना पुलिस ने जुर्म दर्ज कर लिया है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

चैत्रनवरात्रि का भव्य उत्सव

मां कात्यायनी की आराधना में डूबा अंचल

कोरबा का सबसे प्राचीन सर्व मंगला मंदिर बना लोगों की श्रद्धा का केंद्र

लोकसदन 03 अप्रैल 2025
कोरबा, (ब्यूरो)।

चैत्र नवरात्रि के छठे दिन, कोरबा के मां सर्वमंगला देवी मंदिर में आस्था और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। हज़ारों भक्तों ने मां कात्यायनी की पूजा-अर्चना में भाग लिया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

मां कात्यायनी, दुर्गा मां का छठा स्वरूप, शक्ति और सौंदर्य का प्रतीक हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मां कात्यायनी की पूजा करने से भक्तों को मनोवांछित फल प्राप्त होते हैं, खासकर दाम्पत्य जीवन में सुख-समृद्धि और विवाह संबंधी बाधाओं को दूर करने के लिए।

मां सर्वमंगला देवी मंदिर में भव्य

मंदिर परिसर को 10,000 से अधिक ज्योतिकलशों से सजाया गया था, जो इस अवसर की भव्यता को दर्शा रहे थे। भक्तों ने मां कात्यायनी को शहद और फल का विशेष भोग अर्पित किया, जो उन्हें अति प्रिय है।

मंदिर के पुजारी, नमन पांडेय ने बताया, 'आज का दिन मां कात्यायनी को समर्पित है, और हम भक्तों की मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए उनकी पूजा कर रहे हैं।'

दूर-दूर से आए भक्तों ने सुबह और शाम की महा आरती में भाग लिया। आरती के दौरान, मंदिर परिसर में शांति और भक्ति का एक अद्भुत माहौल था।

एक श्रद्धालु ने कहा, 'यह एक अद्भुत अनुभव है। मां कात्यायनी की पूजा से मुझे शांति और सकारात्मक ऊर्जा मिली है।'

मंदिर समिति ने भक्तों के लिए विशेष व्यवस्था की थी, जिसमें पेयजल, चिकित्सा और सुरक्षा शामिल थी। भक्तों के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय कलाकारों ने भक्ति गीत और नृत्य प्रस्तुत किए।

यह नवरात्रि उत्सव कोरबा के लोगों के लिए एक यादगार अनुभव रहा, जिसमें उन्होंने मां कात्यायनी की भक्ति में लीन होकर अपने जीवन में सुख-समृद्धि की कामना की।

पटवारी की रोकी गई दो वेतन वृद्धि, तहसील में किया गया अटैच

लोकसदन 03 मार्च 2025
कोरबा, (ब्यूरो)।

कलेक्टर ने अनुविभागीय अधिकारी कोरबा एवं तहसीलदार भैंसमा के प्राप्त जांच प्रतिवेदन के आधार पर पटवारी द्वारा रकबा में काट-छांट कर वृद्धि करने और चौहददी जारी करने के मामले में मुढुनारा- भैंसमा के तत्कालीन पटवारी श्री गोविंद राम कंवर के विरूद्ध कार्यवाही की है। उन्होंने अ0वि0अ0 / वाचक- 2 / 2024 कोरबा दिनांक 23.12.2024 में उल्लेखित कंडिकावार तथ्यों एवं संलग्न तहसीलदार भैसमा के जांच प्रतिवेदन दस्तावेजो के आधार पर श्री गोविंद राम कंवर के विरुद्ध ग्राम मुढुनारा प.ह.नं. 06 रा.नि.मं. भैंसमा स्थित भूमि ख.नं. 255 रकबा 2.400 हे. मिसल बंदोबस्त में किसी के नाम में दर्ज नही है। अधिकार अभिलेख वर्ष 1954-55 के खाता क्रमांक 08 भूमि स्वामी गंजहा धरजिया रतउ धरजिया के नाम पर ख.नं. 255 रकबा 0.202 हे दर्ज है। मसाहती खसरा पांचसाला 2004-05 के अनुसार ख.नं. 255 रकबा 0.21 हे. है। दिलबोध के नाम पर जमाबंदी नंबर 105 / 3 के रूप में दर्ज है। वर्तमान खसरा पांचसाला वर्ष 2021-22 से 2025-26 अनुसार ख.नं. 255 रकबा 2. 400 हे. दर्ज है, जबकि अधिकार अभिलेख में रकबा 0.202 है. है। जिससे रकबा 2.198 हे की वृद्धि हुआ है। विक्रेता राम सिंह पिता नान्ही साकिन कोटमेर तहसील करतला के नाम पर भूमि ख.नं. 255 रकबा 2.400 हे. कब और कैसे दर्ज हुआ है, प्रतिवेदन में ज्ञात नहीं होना लेख है।

विक्रेता रामसिंह पिता नान्हीराम के द्वारा केता गोंविदा अग्रवाल पिता ओमप्रकाश अग्रवाल निवासी खरोरा रायपुर तहसील व जिला - रायपुर के पक्ष में खं. नं. 255 रकबा 2.400 हे. पंजीकृत बैनामा दिनांक 23.03.2023 के विक्रय पत्र निष्पादित किया गया हैं। जिसका नामांतरण रकबा में अंतर होने के कारण न्यायालय तहसीलदार भैंसमा के राजस्व प्रकरण क्रमांक 202305051800021 अ-6 वर्ष 2022-23 आदेश दिनांक 01.01.2024 को खारिज किया गया है। पटवारी द्वारा विक्रय हेतु चौहद्दी जारी किया गया है। तहसीलदार भैंसमा के जांच प्रतिवेदन व संलग्न दस्तावेजों के अनुसार ग्राम मुढुनारा प.ह.नं. 06 रा.नि.मं भैंसमा स्थित भूमि खनं. 255 रकबा में कांट छांट कर / वृद्धि कर चौहद्दी जारी किया गया है। पंजीकृत हेतु जारी बी-1 खसरा में पटवारी द्वारा डी. एस. सी किये जाने का लेख है ।

तत्संबंध में कार्यालयीन पत्र क्रमांक / 53 / भू.अ./ स्थापना / 2025 कोरबा दिनांक 10.01. 2025 द्वारा श्री गोविंद राम कंवर (पटवारी) प.ह.नं-11 उतरदा, रा.नि.मं. हरदीबाजार तहसील - हरदीबाजार, (तत्कालीन पटवारी प.ह.नं- 06 मुढुनारा रा.नि.मं. - भैंसमा) जिला - कोरबा (छ0ग0) को जारी कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है।

श्री गोविंद राम कंवर तत्कालीन पटवारी प.ह.नं- 06 मुढुनारा रा.नि.मं. - भैंसमा) जिला - कोरबा द्वारा प्रस्तुत जवाब संतोषजनक प्रस्तुत नहीं होने के फलस्वरूप उनका उक्त कृत्य सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के उपनियम (3) तथा वित्तीय संहिता संहिता नियम 89 के विपरीत होने के कारण सिविल सेवा (वर्गीकरण तथा अपील) नियम 1966 के उपनियम 10 (4) के तहत् श्री गोविंद राम कंवर (पटवारी) प.ह.नं-11 उतरदा, रा.नि.मं. - हरदीबाजार तहसील - हरदीबाजार, (तत्कालीन पटवारी प.ह. नं - 06 मुढुनारा रा.नि.मं. - भैंसमा) जिला - कोरबा (छ0ग0) की आगामी दो वेतन वृद्धि असंचयी प्रभाव से अवरुद्ध कर लघु शास्ति से दंडित किया जाता है एवं हल्का पटवारी श्री गोविंद राम कंवर को तहसील कार्यालय हरदीबाजार, जिला - कोरबा (छ0ग0) में संलग्न किया गया है।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन समिति गठित

लोकसदन 03 मार्च 2025
कोरबा, (ब्यूरो)।

मुख्यमंत्री तीर्थ योजनांतर्गत विभिन्न तीर्थ स्थानों की यात्रा हेतु जिले के यात्रियों की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर अजीत वसंत ने जिला स्तर पर मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन समिति का गठन किया गया है। जिसमें अध्यक्ष जिले के प्रभारी मंत्री, उपाध्यक्ष कलेक्टर कोरबा, सदस्य पुलिस अधीक्षक, जिला पंचायत सीइओ, जिला सत्कार अधिकारी, सीएमएचओ तथा सदस्य सचिव उप संचालक समाज कल्याण शामिल है।

राष्ट्रीय तंबाखू नियंत्रण कार्यक्रम संपन्न

लोकसदन 03 अप्रैल 2025
कटघोरा, (प्रतिनिधि)।

राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम एनटीपीसी अंतर्गत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस. एन.केसरी निर्देशानुसार तथा नोडल अधिकारी डॉ. कुमार पुष्पेंश एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक पदमाकार शिंदे के मार्गदर्शन में एवं परिवर्तन दल के द्वारा डॉ. रंजना तिर्की कटघोरा एवं औषधि निरीक्षक वीरेंद्र कुमार भगत, ऋषि साहू और जिला सलाहकार एनटीपीसी डॉ. मानसी जायसवाल के द्वारा कटघोरा थाना थाना प्रभारी धरम तिवारी और नगर पालिका विभाग के सहयोग से बस स्टैंड और शैक्षणिक संस्थान 100 गज के दायरे में आने वाले दुकानों में और कटघोरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत चालानी कार्यवाही किया गया जिसमें कोटपा एक्ट 2003 की धारा 6 के अंतर्गत 07 चालान काटा गया और धारा 04 के अंतर्गत 11 चालान काटा गया जिसकी राशि 5100 रूपये की चालानी की गई और 03 दुकानों में समझाइस दिया गया और सभी दुकानों में धारा 6 (अ) का पोस्टर चस्पा किया गया।

एकलव्य विद्यालय कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु परीक्षा परिणाम जारी

- विद्यार्थी विभागीय वेबसाइट से रिजल्ट का कर सकते है अवलोकन
- परीक्षार्थी जारी परिणाम में नाम, रोल नंबर व अन्य त्रुटि के सम्बंध में 11 तक कर सकते है दावा आपत्ति

लोकसदन 03 अप्रैल 2025
कोरबा, (ब्यूरो)।

जिले में संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में शैक्षणिक वर्ष 2025-26 अंतर्गत कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु 02 मार्च 2025 दिन रविवार को प्रातः 10 से 12 बजे तक प्रवेश चयन परीक्षा आयोजित की गई थी। जिसका परिणाम विभागीय वेबसाइट पर अवलोकन किया जा सकता है।

जारी परीक्षा परिणाम के सम्बंध में विद्यार्थी अपना नाम, रोल नंबर में कोई त्रुटि होने पर 11 अप्रैल 2025 तक दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। परीक्षार्थियों को अपने आवेदन में पूर्ण विवरण व मोबाईल नंबर देते हुए प्रमाण स्वरूप प्रवेश पत्र संलग्न कर ई मेल आईडी पर मेल करना होगा। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति मान्य नही किया जाएगा।

ग्रामीण क्षेत्र में जल जीवन मिशन योजना के सफल क्रियान्वयन से बदल रही तस्वीर

लोकसदन 03 अप्रैल 2025
कोरबा, (ब्यूरो)।

ग्रामीण क्षेत्रों में जल जीवन मिशन योजना के सफल क्रियान्वयन से अनेक गाँव की तस्वीर बदली है। पहले ग्रामीणों को पानी लाने के लिए लम्बी दूरी तय कर हैंडपंप, कुएँ या अन्य जल स्त्रोत तक जाना पड़ता था, इस योजना से अब उन्हें अपने नल के माध्यम से घर में ही स्वच्छ और निर्मल पानी मिल रहा है। योजना के तहत कोरबा जिले के लखनपुर गाँव जैसे दूरदराज इलाकों में घर-घर शुद्ध पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। इस पहल से गाँव में पानी आपूर्ति की समस्या का समाधान के साथ ही वृद्धावस्था में जीवन निर्वाह कर रहे लोगों को राहत भी मिली है।

पोड़ी उपरोड़ा विकासखण्ड के ग्राम लखनपुर की रहने वाली महेत्तरीन बाई के जीवन में योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से बड़ा बदलाव आया है। हितग्राही को घर में ही दैनिक कार्यों एवं घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए

निर्बाध पेयजल मिल रहा है। जिससे वृद्धा महेत्तरीन बाई को आराम मिला है। महेत्तरीन बाई, जो अब उम्र के 75वें साल में हैं, पहले हर दिन पानी लाने के लिए घर से दूर जाया करती थीं। यह उनका रोज का दिनचर्या था, जिसमें शारीरिक थकावट और समय की बर्बादी होती थी। हर घर जल योजना से अब उनके घर तक शाम सबेरे शुद्ध पानी पहुंचता है। इससे उनका जीवन आसान बनने के साथ ही स्वास्थ्य भी बेहतर हुआ है।

महेत्तरीन बाई ने अपने जीवन में हुए इस बदलाव के बारे में बताते हुए कहा की उसके परिवार में बेटी, दामाद और उनके छोटे बच्चे ही है, उम्रदराज होने के कारण उन्हें पानी लाने के लिए लम्बी दूरी तय करने में परेशानी होती थी, अब घर में ही दोनों समय साफ पानी आता है। जिससे पानी लाने की समस्या से मुक्ति मिली है। बुढ़ापे में यह बहुत राहत की बात है। उन्होंने कहा कि घरों में शुद्ध पेयजल की उपलब्धता से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं में भी कमी आई है। अब लोग साफ और सुरक्षित पानी का उपयोग करते हैं, जिससे डायरिया, टाइफॉइड, पीलिया जैसी जलजनित बीमारियाँ फैलने की घटनाएँ भी कम हुई हैं। साथ ही लोगों में जल संरक्षण और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ रही है। लोग अब जल संरक्षण के महत्व को समझने लगे हैं और इसके संरक्षण के उपायों पर भी ध्यान दे रहे हैं। हितग्राही महेत्तरीन बाई सहित ग्रामीणों ने घर घर में शुद्ध पेयजल पहुँचाकर उनका जीवन सुखदायक बनाने के किये केंद्र व राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया है।

नाबालिग से तेलंगाना में दुष्कर्म की कोशिश,बीजेपी मंडल अध्यक्ष पर पॉस्को और एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज

लोकसदन 03 अप्रैल 2025
बीजापुर (ब्यूरो)।

छत्तीसगढ़ की एक नाबालिग युवती के साथ तेलंगाना के मुलुगु जिले में दुष्कर्म की कोशिश का गंभीर मामला सामने आया है, जिसने दोनों राज्यों में सनसनी फैला दी है। इस शर्मनाक वारदात में आरोपी कोई आम व्यक्ति नहीं, बल्कि भाजपा का वेंकटापुरम मंडल अध्यक्ष रामल्ला शेखर है।

जानकारी के अनुसार, पीड़िता मिर्ची तोड़ने के लिए वेंकटापुरम गई हुई थी, घटना के दौरान युवती पैदल जा रही थी, तभी आरोपी ने उसे अपनी गाड़ी में जबरन बैठाकर बलात्कार की कोशिश की। लेकिन सतर्कता दिखाते हुए पीड़िता वहां से भागने में सफल रही। इसके बावजूद आरोपी ने दोबारा उसे पकड़ने की कोशिश की। पीड़िता ने इसकी जानकारी पुलिस को दी, जिसके बाद वेंकटापुरम पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी रामल्ला शेखर को हिरासत में ले लिया है। वेंकटापुरम थाने में उसके खिलाफ

पॉस्को एक्ट और एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पीड़िता को प्राथमिक गवाह बनाते हुए पुलिस ने न्यायिक प्रक्रिया शुरू कर दी है।

हर साल बड़ी संख्या में छत्तीसगढ़ के मजदूर तेलंगाना मिर्ची तोड़ने के काम के लिए जाते हैं। इस घटना ने उन मजदूरों, खासकर महिलाओं और नाबालिग लड़कियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता खड़ी कर दी है। फिलहाल आरोपी पुलिस हिरासत में है और मामले की विस्तृत जांच की जा रही है।

जिपं सीईओ ने सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास का किया निरीक्षण

लोकसदन 03 अप्रैल 2025
कोरबा, (ब्यूरो)।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी दिनेश कुमार नाग ने गुरुवार को जिले के दूरस्थ ग्राम पंचायतोंकृचुईया, गढ़उपरोड़ा और देवपहरी का दौरा कर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्माणाधीन आवासों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि आवास निर्माण कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए और इसे निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा किया जाए। श्री नाग ने मैदानी अमले को सतत फील्ड विजिट करने और निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही, जनपद पंचायत सीईओ को आवास निर्माण की नियमित समीक्षा एवं मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने को कहा। निरीक्षण के दौरान सीईओ श्री नाग ने ग्राम चुईया में विशेष पिछड़ी जनजाति बिरहोर समुदाय के हितग्राही श्री गोसोराम, प्रमिला और तीजबाई के निर्माणाधीन आवासों का जायजा लिया। उन्होंने हितग्राहियों से बातचीत करके आवास जल्द से जल्द पूर्ण करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर सरपंच, जनपद पंचायत सीईओ कोरबा, जिला समन्वयक (प्रधानमंत्री आवास योजना), कार्यक्रम अधिकारी (मनरेगा), ब्लॉक समन्वयक, तकनीकी सहायक, नोडल अधिकारी (आवास), रोजगार सहायक और आवास मित्र सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

संपादकीय

स्वयंभू पादरी : आजीवन कारावास की यात्रा तलक

पंजाब के मोहाली की एक अदालत ने हाल ही में एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है, जिसमें स्वयंभू पादरी बजिंदर सिंह को 2018 के बलात्कार के एक जघन्य मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है. यह फैसला न केवल पीड़िता के लिए न्याय की एक महत्वपूर्ण जीत है, बल्कि यह हमारे देश की न्याय प्रणाली में लोगों के अटूट विश्वास को भी पुष्ट करता है. यह फैसला उन सभी लोगों के लिए एक कड़ा संदेश है जो अपने पद या प्रभाव का दुरुपयोग करके निर्दोषों का शोषण करने का दुस्साहस करते हैं.

कौन है बजिंदर सिंह?

'चर्च ऑफ ग्लोरी एंड विजडम' के स्वयंभू पादरी बजिंदर सिंह एक समय विशेष रूप से पंजाब और देश भर में श्रद्धा के पात्र बन गए थे प्रभु यीशु के नाम पर लाखों लोग उनकी धार्मिक चमत्कारी हैसियत के कारण मुरीद हो गये थे. सोशल मीडिया में उनके पुराने वीडियो अगर आप देखे पाएंगे कि एक तरह से वे आज के चमत्कारी धार्मिक पुरुष थे जिनके के सारे पर हवाएं चलने लगती थी और लोग उठ खड़े होते थे बेहोश हो जाते थे एक वीडियो में दिखाया गया है कि एक महिला उसके इशारे पर जो बीमार थी व्हील चेयर से उठ खड़ी होती है. स्पष्ट की है सब प्रायोजित हुआ करता था. मगर इन सब वीडियो को देखकर के लाखों लोग उसे सच मान रहे थे और इसी का फायदा उठाकर के वह अपराधिक कृत्य करने लगा.

अब आखिर उसे उम्रभर के लिए सलाखों के पीछे भेज दिया गया है. कोर्ट में बजिंदर पर बलात्कार का आरोप साबित हो चुका है जिसके लिए उसे कठोर दंड का ऐलान किया गया है .यह मामला केवल न्याय का नहीं, बल्कि आस्था के नाम पर चल रहे पाखंड की परिणति है.

सजा सुनाते समय बजिंदर को पटियाला जेल से भारी सुरक्षा के बीच कोर्ट लाया गया था अदालत ने भारतीय दंड संहिता की धारा 376 (बलात्कार), 323 (चोट पहुंचाना) और 506 (आपराधिक धमकी) के तहत उसे दोषी ठहराया.हालांकि, इस मामले में शामिल पांच अन्य आरोपियों पादरी जतिंदर, पादरी अकबर, सत्तार अली और संदीप पहलवान को अदालत ने सबूतों के अभाव में बरी कर दिया.

यही नहीं, फरवरी 2025 में कपूरथला की एक 22 वर्षीय युवती ने भी बजिंदर के खिलाफ यौन उत्पीड़न और पीछा करने का मामला दर्ज करवाया, कपूरथला पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 354 ए, 354 डी और 506 के तहत एफआईआर दर्ज किया था. दरअसल पास्टर का पाखंड करने वाला बजिंदर एक आदतन अपराधी है.

जिस मामले में सजा सुनाई गई है वह मामला 2018 में सामने आया था, जब एक महिला ने बजिंदर सिंह पर बलात्कार का आरोप लगाया था. पीड़िता ने अपनी शिकायत में कहा था - पादरी ने उसे अपने धार्मिक प्रभाव का इस्तेमाल करके बहकाया और फिर उसका यौन उत्पीड़न किया.

दरअसल, यह मामले देश भर में चर्चा का विषय बन गया था, और लोग न्याय की मांग कर रहे थे.मोहाली पंजाब की अदालत ने इस मामले की सुनवाई करते हुए सभी सबूतों और गवाहों के बयानों पर सावधानीपूर्वक विचार किया. अदालत ने पाया -बजिंदर सिंह दोषी है और उसे आजीवन कारावास की सजा सुना दी गई.

अदालत का यह फैसला दर्शाता है धर्म धार्मिकता की आड़ में शोषण बर्दाश्त नहीं किया जा सकता और यह और बड़ा गुनाह है. और कानून की नजर में सभी समान हैं, चाहे वे कितने भी शक्तिशाली या प्रभावशाली क्यों न हों.हमारी न्यायपालिका अपराधों के प्रति शून्य सहनशीलता की नीति अपना रही है. यह फैसला उन लोगों के लिए एक सबक है जो अपने पद या प्रभाव का दुरुपयोग करके अपराध करते हैं.यह फैसला उन सभी पीड़ितों के लिए भी एक उम्मीद की किरण है जो न्याय की तलाश में हैं. अगर हम कॉल करें तो कथित बाबा आसाराम हो या बाबा रामदेव या फिर राम रहीम सभी कोर्ट और कानून के दरवाजे पर बौने सिद्ध हो चुके हैं.

आज के समय में जब धार्मिक कर्मकांड की आड़ में समाज में अपराधों की बढ़ती दर एक बड़ी चुनौती बन गई है, ऐसे में न्यायपालिका की इस तरह की सख्ती से यह उम्मीद बंधती है कि आने वाले समय में ऐसे साधक साधु संत अपनी मर्यादा का उल्लंघन नहीं करेंगे.

इस फैसले से यह भी स्पष्ट होता है कि धार्मिक अनुष्ठान करने वालों को भी कानून का पालन करना चाहिए. उन्हें अपने पद का दुरुपयोग करके किसी भी तरह का अपराध करने का कोई अधिकार नहीं है. यह फैसला उन सभी धार्मिक नेताओं के लिए एक चेतावनी है जो अपने अनुयायियों का शोषण करते हैं.

यह फैसला उन सभी लोगों के लिए भी एक सबक है जो बलात्कार जैसे जघन्य अपराधों को अंजाम देते हैं. उन्हें यह समझना चाहिए कि कानून उन्हें बख्शेगा नहीं. उन्हें अपने अपराधों की सजा जरूर मिलेगी.

यह फैसला हमारे समाज के लिए भी एक महत्वपूर्ण संदेश है.

यह फैसला हमारे देश की न्याय प्रणाली में लोगों के विश्वास को मजबूत करता है. यह फैसला दर्शाता है कि हमारी न्यायपालिका स्वतंत्र और निष्पक्ष है. यह फैसला उन सभी लोगों के लिए एक उम्मीद की किरण है जो न्याय की तलाश में हैं.

यह फैसला उन सभी लोगों के लिए भी एक प्रेरणा है जो अन्याय शोषण और पाखण्ड के खिलाफ लड़ रहे हैं. यह फैसला दर्शाता है कि अंत में न्याय की जीत होती है.

gandhishwar.rohra@gmail.com
Mob. : - 07747920885

दरअसल

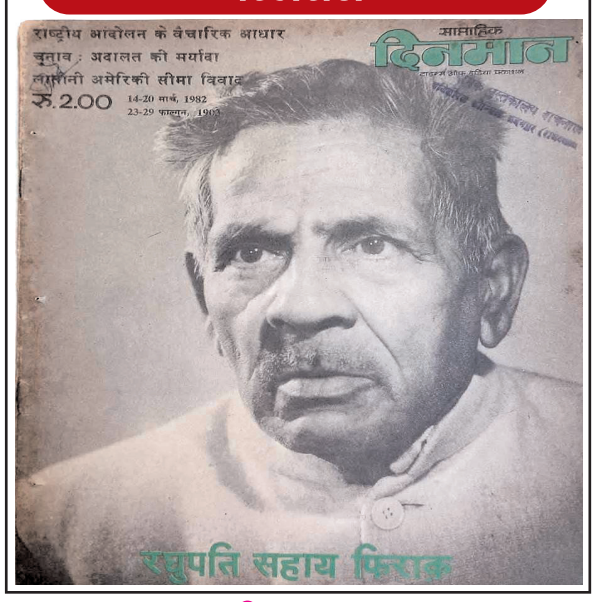

उत्तराखंड के नए नामदेव धामी

हमारे राष्ट्रगान की उक्त पंक्तियों को मैं कभी नहीं भूलता, क्योंकि इसमें भारतीय जनतंत्र की, भारतीय गणतंत्र, की और भारतीय मानसिकता की जय के साथ-साथ उस अधिनायक की भी जय बोली गयी है जो अदृश्य है। भारतीय जनतंत्र और गणतंत्र के बीच छिपकर बैठा ये अधिकानायक हमेशा बहुमत के रूप में हमारे सामने प्रकट होता रहता है। इसका चेहरा कभी स्त्री का होता है तो कभी पुरुष का और कभी अर्धनारीश्वर का। अधिनायक की पहचान अक्सर संसद में किसी विधेयक पर मत विभाजन के समय होती है। वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक 2024 पर मत विभाजन के समय भी ये अधिनायकत्व खुलकर सामने आया है।

वक्फ बोर्ड की सम्पत्तियों पर मौजूदा सरकार की नजर शुरू से थी लेकिन उसे कोई मौक़ा नहीं मिल रहा था,किन्तु हाल ही में महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा चुनावों में मिली जीत ने बैशाखी सरकार को इतना हौसला दिया कि वो मुसलमानों की टोपी जमकर उछाले। सरकार ने ऐसा किया भी। वक्फ बोर्ड क़ानून में संशोधन कर अपने लिए बोर्ड में घुसपैठ करने की गुंजायश निकाल ही द्यद्ब। पूरा विपक्ष मिलकर भी इसे रोक नहीं पाया। रोक भी नहीं सकता था क्योंकि संख्या बल उसके पास नहीं था। अब ये विधेयक राजयसभा में भी आसानी से पारित होने के बाद क़ानून का रूप ले लेगा। अब विपक्ष इसे न कानून बनने से रोक सकता है और न इस पर अमल करने से।

लोकसभा में इस विवादास्पद विधेयक पर पूरे 12 घंटे बहस चली। मुमकिन है कि आप में से बहुत कुछ ने ये पूरी बहस देखी हो, लेकिन मैंने इसे पूरा देखा, सुना। इसलिए मैं दावे के साथ कह सकता हूँ कि सत्ता के लालच में टीडीपी और जेडीयू जैसे कथित धर्मनिरपेक्ष दलों ने जहां अपना दीन-ईमान बेच दिया वहीं उद्धव ठाकरे की शिव सेना और तृणमूल कांग्रेस और समाजवादी पार्टी जैसे लोग बिना लाभ-हानि की फ़िक्र किये विधेयक के विरोध में डटे रहे। अब पूरी मोदी सेना विपक्षी सांसदों को काफिर ठहराने पर लगी है। यानी मुसलमानों का समर्थन करना काफिर होना है और विरोध करना सनातनी होना है।

भारत की आजादी के पहले के और बाद के इतिहास में किसी एक बिरादरी के साथ इस तरह के दोयम दर्जे के नागरिकों जैसा बर्ताव कभी नहीं हुआ। मुगलों के जमाने में तो ऐसे बर्ताव का सवाल ही नहीं उठता लेकिन अंग्रेजों ने भी ये जुर्रत नहीं की जो आज की जा रही है। सरकार की रीती,नीति और कार्यक्रम न जाने क्यों अचानक मुसलमान विरोधी हो गए हैं। सरकार अपने कार्यक्रमों और नीतियों के जरिये मुसलमानों को मुसलमान बना देने पर आमादा है। लेकिन ऐसा होगा नहीं। सरकार के मुस्लिम विरोधी रवैये से मुसलमान को अपने शुभचिंतक चुनने में पहले के मुकाबले ज्यादा आसानी होगी।

राकेश अचल

अभी तक राजनीतिक दलों पर मुसलमानो को तुष्ट करने का आरोप लगता था किन्तु अब मुसलमानों के हाथ में ये मौक़ा आया है की वे अपनी पसंद के राजनीतिक दलों को तुष्ट और पुष्ट करें। मुसलमान किस दल के साथ रहना चाहते हैं ये तय करने वाले हम और आप कोई नहीं हैं किन्तु हम लोकतंत्र में अधिनायक की पहचान में सबकी मदद कर सकते है। मुसलमानों की भी और हिन्दुओं की भी। आज से पचास साल पहले हम और इशाक भाई एक साथ एक क्लास में पढ़ते थे, खाते थे, खेलते थे। हमारी माँ और फ़रीदा बेगम में बहुत फर्क नहीं था। दोनों के आंचल की छांव एक जैसी थी, लेकिन अब सब बदल चुका है। न इशाक हमारे साथ और न फ़रीदा बेगम। सियासत ने सभी को पराया बना दिया है। कोई डर की वजह से पराया हुआ है तो कोई सियासत की वजह से।

संख्या बल के चलते वक्फ बोर्ड विधेयक राजयसभा में भी आसानी से पारित होगा,इसलिए वहां इस विधेयक पर बहस करने का कोई मतलब नहीं है। बहुमत के बूटों से अक्लियत का कुचला जाना अकलियत के लोगों की नियति बन चुकी है। फिर भी उम्मीद है कि बी भारत में जैसे हिलमिलकर हम सब रहते थे वैसे ही आगे भी रहेंगे। नहीं रहेंगे तो सब बर्बाद हो जायेंगे। हमारा भी वही हाल होगा जो किसी जमाने में महाराणा प्रताप का हुआ,छत्रपति शिवाजी का हुआ। छत्तरसाल का हुआ, लक्ष्मीबाई का हुआ। बंटा हुआ समाज कभी देश की ताकत नहीं हो सकता। बंधी हुई मुठ्ठी ही लाख की होती है,खुल गयी तो ये मुठ्ठी ख़ाक की हो जाती है। मैं न काफिर हूँ और न मुसलमान ,लेकिन मैं भी उसी तरह सनातनी भारतीय हूँ जिस तरह इस देश के सनातनी मुसलमान हैं। उनका भाग्य बैशाखी लगाकर सरकार चलने वाले तय नहीं कर सकते। किन्तु दुर्भाग्य है कि वे ऐसा कर रहे हैं।

ऐसे मौकों पर मुझे 'मेरे महबूब' फिल्म का वो गीत अक्सर याद आता है जिसे शकील बदायूनी ने लिखा था। -कोई देखे या न देखे, अल्ला देख रहा है। 'हमारी सरकार अल्लाह की सरकार नहीं है। वो राममजी की सरकार है इसलिए अल्लाह से डरती नहीं है। उसके लिए ईश्वर, अल्लाह तेरो ही नाम नहीं है। वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक से हमारा कुछ बनना और बिगड़ना नहीं है। जिनका बनना और बिगड़ना है ,उन्हें तय करना है कि वे इस मसले पर कैसे अपनी प्रतिक्रिया दें। उनके सामने दोनों विकल्प हैं। वे चाहें तो सरकार के सामने घुटने टेकेन और न चाहें तो सरकार को घुटे टेकने पर विवश करें। सरकार को न अदालत रोक सकती है और न अल्ला। सरकार को केवल और केवल वोट रोक सकता है। जो वोट की ताकत नहीं जानते, वे कुछ नहीं जानते।

इस देश में रामजी कि सरकार कभी हिन्दू मंदिरों के न्यासों के घपलों के बारे में कभी गंभीर नहीं हो सकती। कभी ये नहीं कहने वाली कि सौ साल पहले हिन्दू मंदिरों की आय कितनी थी और आज कितनी है। सौ साल पहले हिन्दू मंदिरों कि सम्पत्ति कितनी थी और आज कितनी है? ये सरकार कभी ये देखना और जानना या रोकना पसंद नहीं करेगी कि हिन्दू मंदिरों के ट्रस्टों कि आड़ में देश के राजे-महाराजाओं ने अपनी कितनी सम्पत्ति कराधान से बचा रखी है? अकेले ग्वालियर में एक ही राज परिवार के 19 ट्रस्ट इसी तरह से करचोरी के धंधे में लगे हैं। हरि अनंत, हरि कथा अनंता।

औरंगज़ेब, 'छावा' और चयनित इतिहास लेखन

आज की सांप्रदायिक सोच राजाओं — हिंदू और मुस्लिम—को उनके धर्म के चश्मे से देखती है, न कि सत्ता और संपत्ति के लिए संघर्षरत शासकों के रूप में। जैसे-जैसे राजनीति में इतिहास का उपयोग बढ़ रहा है, सांप्रदायिक घृणा भी नई ऊंचाइयों तक पहुंच रही है। बीते कुछ वर्षों में इसके नए आयाम जुड़ गए हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की शाखाओं, सोशल मीडिया, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आईटी सेल, मुख्यधारा के मीडिया (विशेषकर टीवी चैनलों) के प्रचार के जरिए संघ की सांप्रदायिक विचारधारा थोपने की प्रक्रिया के अलावा, कई फ़िल्मों ने भी समाज में व्याप्त ग़लतफ़हमियों को बढ़ावा दिया है।

हाल के वर्षों में 'द केरल स्टोरी' और 'कश्मीर फ़ाइल्स' जैसी फ़िल्मों ने घृणा का वातावरण तैयार किया। इसके अलावा 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर', '72 हूरें', 'सम्राट पृथ्वीराज' जैसी फ़िल्में भी बनीं, हालांकि वे अधिक सफल नहीं रहीं। अब महाराष्ट्र सहित पूरे देश में 'छावा' फ़िल्म चल रही है, जो नफ़रत को और अधिक भड़का रही है। यह कोई ऐतिहासिक फ़िल्म नहीं है, बल्कि शिवाजी सावंत के उपन्यास 'छावा' पर आधारित फिल्म है। इस फ़िल्म में ऐतिहासिक अशुद्धियों को लेकर पहले ही माफ़ी मांगी जा चुकी है।

फ़िल्म में छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन के कुछ चयनित प्रसंगों को उभारते हुए औरंगज़ेब को 'क्रूर और हिंदू विरोधी' के रूप में पेश किया गया है। 126 मिनट की इस फ़िल्म में लगभग 40 मिनट संभाजी महाराज पर हुए अत्याचार को दिखाने में लगाए गए हैं। यह वही हिस्सा है, जहां निर्देशक ने कल्पना की पूरी स्वतंत्रता ली है। पूरी फ़िल्म मध्यकालीन इतिहास को 'महान हिंदू राजा बनाम दुष्ट मुस्लिम राजा' की धारणा में ढालने का प्रयास करती है।

संभाजी महाराज छत्रपति शिवाजी महाराज के बड़े पुत्र थे। जब शिवाजी ने अपना राज्य स्थापित किया, तो उनकी सेना और प्रशासन में मुस्लिम अधिकारी भी शामिल थे। मौलाना हैदर अली उनके विश्वासपात्र सचिव थे और उनकी सेना में सिद्दी संबल, इब्राहिम गर्दी और दौलत ख़ान सहित 12 मुस्लिम सेनापति थे।

दूसरी ओर, औरंगज़ेब की तरफ़ से राजा जयसिंह ने शिवाजी के ख़िलाफ़ मोर्चा संभाला। शिवाजी को औरंगज़ेब के दरबार में उपस्थित होना पड़ा और बाद में उन्हें क़ैद कर लिया गया। इस क़ैद से उनकी सहायता करके निकलने वाला एक मुस्लिम राजकुमार मदारी मेहतर था।

राम पुनियानी

हिंदुत्व विचारधारा के सूत्रधार वीडी सावरकर और एमएस गोलवलकर ने संभाजी महाराज के चरित्र, मदिरा सेवन और स्त्रियों के प्रति झुकाव पर प्रश्न उठाए थे। इसी कारण शिवाजी ने उन्हें पन्हाला क़िले में क़ैद भी किया था। बाद में संभाजी ने शिवाजी के ख़िलाफ़ युद्ध में औरंगज़ेब से गठबंधन किया। संभाजी ने बीजापुर के आदिलशाह के खिलाफ युद्ध में भी औरंगज़ेब का साथ दिया।

शिवाजी की मृत्यु के बाद उत्तराधिकार के संघर्ष में संभाजी के सौतेले भाई राजाराम (जो शिवाजी की दूसरी पत्नी सोयराबाई के पुत्र थे) ने उन्हें ज़हर देने का प्रयास किया। जब यह साज़िश उजागर हुई, तो संभाजी ने कई हिंदू अधिकारियों को मौत के घाट उतार दिया। औरंगज़ेब ने संभाजी के विरुद्ध लड़ाई में राठौड़ को भेजा। अंततः जब संभाजी पकड़े गए, तो उन्हें अपमानित किया गया और यातनाएँ दी गईं। फ़िल्म में इसे बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत किया गया है।

इस फ़िल्म के बहाने औरंगज़ेब को बेहद क्रूर और अमानवीय दिखाया गया है। यह मात्र 'व्हाट अबाउटरी' (तुलनात्मक प्रश्न उठाने की प्रवृत्ति) नहीं, बल्कि मध्यकालीन सत्ता संरचना को समझने का प्रयास है। अधिकतर शासकों ने अपने शत्रुओं पर क्रुरताएँ की हैं।

इतिहासकार रुचिका शर्मा के अनुसार, जब चोल राजाओं ने चालुक्यों की सेना को हराया, तो उन्होंने चालुक्य सेनापति समुद्र राज का सिर काट दिया और उसकी पुत्री की नाक काट दी। सम्राट अशोक के कलिंग युद्ध को इतिहास में सबसे भीषण नरसंहारों में गिना जाता है। तत्कालीन काल में राजाओं द्वारा अपनाए गए क्रूरतापूर्ण तरीक़ों को आज की नैतिक कसौटी पर नहीं परखा जा सकता। अगर ऐसा है, तो आज के भारत में बुलडोज़र न्याय को कैसे देखा जाएगा, जहाँ बिना किसी न्यायिक सुनवाई के मुसलमानों के घर गिरा दिए जाते हैं?

एक हिंदू राजा के क़िले में, षड्यंत्रकारियों को हाथ-पैर बाँधकर गहरी खाई में फेंक दिया जाता था। बाल सामंत ने अपनी पुस्तक में लिखा है कि शिवाजी की सेना ने सूरत पर हमला करते समय भयंकर अत्याचार किए। सेना और क्रूरता साथ-साथ चलते थे; शत्रुओं पर अत्याचार निंदनीय हैं, लेकिन यह असामान्य नहीं था।

संभाजी की मराठा सेना ने जब गोवा पर हमला किया, तो पुर्तगाली इतिहासकार जदुनाथ सरकार ने लिखा, 'अब तक भारत में कहीं भी ऐसी बर्बरता नहीं देखी गई थी...।' ऐसे विवरणों को सावधानी से देखने की ज़रूरत है, लेकिन यह स्पष्ट है कि हिंसा व्यापक रूप से फैली हुई थी।

क्या औरंगज़ेब हिंदू विरोधी था? यह कहा जा सकता है कि औरंगज़ेब अकबर या दारा शिकोह नहीं था। वह कट्टरपंथी था और हिंदुओं तथा इस्लाम के ग़ैर-सुन्नी संप्रदायों के प्रति उदार नहीं था। लेकिन दूसरी ओर, वह गठबंधनों का उस्ताद भी था और उसके शासन में, प्रो. अतर अली के अनुसार, हिंदू अधिकारी सबसे अधिक 33 प्रतिशत थे।

उसने कुछ मंदिरों को नष्ट किया, लेकिन उसने कामाख्या देवी (गुवाहाटी), महाकालेश्वर (उज्जैन), चित्रकूट बालाजी और वृंदावन के भगवान कृष्ण मंदिर को दान भी दिया। यहाँ तक कि शिवाजी भी हज़रत बाबा बहुत ठोरवाले सूफ़ी दरगाह को दान दिया करते थे।

विजेता राजा अक्सर अपने विरोधी के धार्मिक स्थलों को ध्वस्त करते थे। रिचर्ड ईटन (फ्रंटलाइन, दिसंबर-जनवरी 1996) बताते हैं कि कैसे इतिहासकार अब सिर्फ़ मुस्लिम शासकों द्वारा मंदिर विध्वंस की घटनाओं को चुन-चुनकर प्रस्तुत कर रहे हैं और हिंदू मंदिरों को दिए गए मुस्लिम शासकों के दान को छिपा रहे हैं।

औरंगज़ेब ने अपने शासन के 22वें वर्ष में 1.25 प्रतिशत जज़िया कर लगाया, जिसे ब्राह्मणों, विकलांगों और महिलाओं के लिए माफ़ कर दिया गया था। यह धर्मांतरण का साधन नहीं था, बल्कि एक प्रकार का संपत्ति कर था, जबकि मुसलमानों पर लगने वाला ज़कात 2.5 प्रतिशत था।

इतिहासकार सांप्रदायिक नैरेटिव गढ़ने के लिए घटनाओं को संदर्भ से काटकर पेश कर रहे हैं। मध्यकालीन शासक अपने सैनिकों को प्रेरित करने के लिए धर्म का उपयोग करते थे — हिंदू राजा धर्मयुद्ध और मुस्लिम राजा जिहाद का प्रयोग करते थे। ऐसी फ़िल्में विभाजनकारी राजनीति को बढ़ावा दे रही हैं और भारतीय संविधान के लिए गंभीर ख़तरा हैं।

(साभार-न्यूज क्लिक। लेखक मानवाधिकार कार्यकर्ता हैं।)

स्टार्टअप महाकुंभ का आयोजन भी किया जा रहा

प्रयागराज संगम पर महाकुंभ की शानदार सफलता के बाद, अब विकास की तीन धाराओं - नवाचार, रोजगार सृजन और उद्यमिता के संगम का जश्न मनाने का समय आ गया है, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विकास और विरासत की कल्पना को जीवंत और उत्साहपूर्ण भारत के लिए आगे ले जाएगा।

ये तीनों धाराएँ 3 अप्रैल को स्टार्टअप महाकुंभ में समाहित होंगी। प्रयागराज में हुए विस्मयकारी आध्यात्मिक समागम की तरह, स्टार्टअप महाकुंभ का आयोजन भी भव्य और वैश्विक स्तर पर किया जा रहा है।

इस कार्यक्रम में 3,000 से अधिक स्टार्टअप, 1,000 से अधिक निवेशक, 500 से अधिक वक्ता और दुनिया भर से 15,000 से अधिक प्रतिनिधि और व्यवसायी शामिल होंगे, जिसमें 50 से अधिक देशों की भागीदारी होगी। यह स्टार्टअप के लिए सहयोग, मार्गदर्शन, धनउपलब्ध कराने और नए बाजारों तक पहुंच का पता लगाने के लिए एक शक्तिशाली मंच होगा। समर्पित विशेषज्ञों की कक्षाएं, ज्ञान सत्र और नेटवर्किंग फ़ोरम के साथ, यह कार्यक्रम न केवल नवाचार को बढ़ावा देगा बल्कि उद्यमियों की अगली पीढ़ी को अपने स्वयं के उद्यम शुरू करने के लिए प्रेरित भी करेगा।

साथ ही, इस वर्ष के महाकुंभ में, तीन-स्तरीय निवेशक-नेतृत्व वाली जूरी प्रक्रिया 50 करोड़ रुपये के पुरस्कार पूल के साथ भारत के सबसे बड़े निजी क्षेत्र द्वारा वित्त पोषित ग्रैंड इनोवेशन चैलेंज में 150 फाइनलिस्ट का चयन करेगी। नवाचार - चाहे शतरंज का खेल हो या प्राचीन भारत में 'शून्य' की अवधारणा, या आज का यूपीआई, चंद्रयान और मंगलयान, नवाचार हमेशा से ही भारतीय डीएनए का हिस्सा रहा है। स्वस्थ अनुसंधान और विकास के माध्यम से प्राप्त नए विचार, नवीन वस्तुएं और सेवाएं भारत को 2047 तक विकसित देश बनने के अपने मिशन में आगे बढ़ाएंगी। उपयुक्त रूप से, इस कार्यक्रम का विषय स्टार्टअप इंडिया @2047 है।

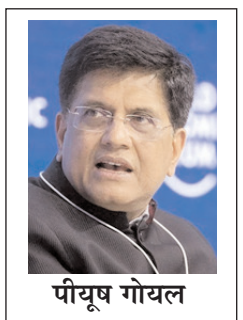
पीयूष गोयल

प्रधानमंत्री मोदी की कल्पना

2015 में स्वतंत्रता दिवस के अपने भाषण में प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को वैश्विक स्टार्टअप हब बनाने और देश को रोजगार सृजन करने वाले देश में बदलने का अपना सपना स्पष्ट किया। इसके तुरंत बाद, परिवर्तनकारी स्टार्टअप इंडिया पहलशुरू की गई। प्रधानमंत्री मोदी की इस पहल ने युवा ऊर्जा का ऐसा ज़बरदस्त प्रवाह पैदा किया है जो भारत के उद्यमशीलता परिदृश्य को बदल रहा है। पंजीकृत स्टार्टअप की संख्या 2016 में लगभग 500 से बढ़कर अब लगभग 1.7 लाख हो गई है। ये उद्यम फिन-टेक, डीप-टेक, एड-टेक, नैनो-टेक, बायो-टेक, स्पेस-टेक, एग्री-टेक और हेल्थ-टेक सहित 55 से अधिक क्षेत्रों में फैले हुए हैं, जो भारत को प्रमुख प्रौद्योगिकी-संचालित उद्यमिता के गढ़ के रूप में उभरने में मदद कर रहे हैं। सरकार स्टार्टअप्स को धन उपलब्ध कराने में सहायता देने के लिए भी सक्रिय रूप से पहल कर रही है। पिछले साल के बजट में हमारी सरकार ने एंजल टैक्स को समाप्त कर दिया था, इस कदम की नए उद्यमियों ने सराहना की थी। इस साल बजट में 10,000 करोड़ रुपये का नया फंड ऑफ फंड्स शुरू किया गया।

नौकरियां और समाधान

सरकार द्वारा पंजीकृत स्टार्टअप ने 31 जनवरी, 2025 तक 17.69 लाख प्रत्यक्ष नौकरियां पैदा की हैं। इसके अलावा, वे वास्तविक दुनिया की चुनौतियों के लिए अत्याधुनिक समाधान प्रदान कर रहे हैं।

लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पेश

किरेन रिजिजू ने कहा, 'संसद की बिल्डिंग को भी किया गया था क्लेम

नई दिल्ली ,03 अप्रैल
(आरएनएस)।

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पेश किया।

विधेयक पर चर्चा की शुरुआत करते हुए किरेन रिजिजू ने कहा, ऑनलाइन, ज्ञापन, अनुरोध और सुझाव के रूप में कुल 97,27,772 याचिकाएं प्राप्त हुई हैं। 284 डेलिगेशन ने कमेटी के सामने अपनी बात रखी और सुझाव दिए। सरकार ने उन सभी पर ध्यानपूर्वक विचार किया है, चाहे वे जेपीसी (संयुक्त संसदीय समिति) के माध्यम से हों या सीधे दिए गए ज्ञापन। इतिहास में पहले कभी किसी विधेयक को इतनी बड़ी संख्या में याचिकाएं नहीं मिली हैं।कई लीगल एक्सपर्ट, कम्युनिटी लीडर्स, धार्मिक लीडर्स और अन्य लोगों ने कमेटी के सामने अपने सुझाव रखे। पिछली बार जब हमने बिल पेश किया था, तब भी कई बातें बताई थी। मुझे उम्मीद ही नहीं, यकीन है कि जो इसका विरोध कर रहे थे, उनके हृदय में बदलाव होगा और वे बिल का समर्थन करेंगे। मैं मन की बात कहना चाहता हूं, किसी की बात को कोई बदगुमां न समझे कि जमीं का दर्द कभी आसमां न समझे।किरेन रिजिजू ने आगे कहा, साल 2013 में यूपीए सरकार ने वक्फ बोर्ड को ऐसा अधिकार दिया कि वक्फ बोर्ड के आदेश को किसी सिविल अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती। अगर यूपीए सरकार सत्ता में होती तो संसद इमारत, एयरपोर्ट समेत पता नहीं कितनी इमारतों को वक्फ संपत्ति घोषित कर दिया जाता। साल 2013 में मुझे इस बात पर बहुत आश्चर्य हुआ कि इसे कैसे

जबरन पारित किया गया। 2013 में वक्फ अधिनियम में प्रावधान जोड़े जाने के बाद, दिल्ली में 1977 से एक मामला चल रहा था, जिसमें सीजीओ कॉम्प्लेक्स और संसद भवन सहित कई संपत्तियां शामिल थीं। दिल्ली वक्फ बोर्ड ने इन पर वक्फ संपत्ति होने का दावा किया था। मामला अदालत में था, लेकिन उस समय यूपीए सरकार ने सारी जमीन को डीनोटिफाई करके वक्फ बोर्ड को सौंप दिया। अगर हमने आज यह संशोधन पेश नहीं किया होता, तो हम जिस संसद भवन में बैठे हैं, उस पर भी वक्फ संपत्ति होने का दावा किया जा सकता था।उन्होंने कहा, किसी ने कहा कि ये प्रावधान गैर संवैधानिक हैं। किसी ने कहा कि गैर-कानूनी हैं। यह नया विषय नहीं है। आजादी से पहले पहली बार बिल पास किया गया था। इससे पहले वक्फ को इनवैलिडेट (अवैध करार) किया गया था। 1923 में मुसलमान वक्फ एक्ट लाया गया था। ट्रांसपेरेंसी और अकाउंटेबिलिटी का आधार देते हुए एक्ट पारित किया गया था। उन्होंने कहा, 1995 में पहली बार वक्फ ट्रिब्यूनल का प्रावधान किया गया था। इससे वक्फ बोर्ड द्वारा लिए गए किसी भी फैसले से असंतुष्ट व्यक्ति वक्फ ट्रिब्यूनल में उसे चुनौती दे सकता था। यह पहली बार था जब ऐसी व्यवस्था स्थापित की गई थी। उस समय यह भी तय किया गया था कि अगर किसी वक्फ संपत्ति से 5 लाख रुपए से ज्यादा की आय होती है, तो सरकार उसकी निगरानी के लिए एक कार्यकारी अधिकारी नियुक्त करेगी। यह व्यवस्था भी 1995 में ही शुरू की गई थी। आज यह मुद्दा इतना तूल क्यों पकड़ रहा है ?विधेयक को सदन में पेश करते ही विपक्षी दलों ने विरोध शुरू कर दिया।

अखिलेश यादव के सवाल पर अमित शाह का मजेदार जवाब, खूब लगे ठहाके

नई दिल्ली ,03अप्रैल
(आरएनएस)।

लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पर बुधवार को चर्चा के दौरान हंसी-मजाक का माहौल भी दिखा। वहीं, अखिलेश यादव के तंज पर अमित शाह ने पलटवार करते हुए 25 साल की 'गारंटी' की याद भी दिलाई। दरअसल, समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि ये जो बिल लाया जा रहा है, भाजपा के अंदर एक मुकाबला चल रहा है। खराब हिंदू कौन बड़ा है, जो पार्टी खुद को कहती है कि वो दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है, वो अभी तक अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव नहीं कर सकी है। ये भाजपा क्या है।

इस पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी उसी अंदाज में सपा सांसद अखिलेश यादव को जवाब दिया। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव ने हंसते-हंसते अपनी बात रखी और मैं भी हंसते हुए जवाब देना चाहूंगा। इसके बाद केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि मेरे सामने जितनी भी पार्टियां हैं, उनमें परिवार के पांच लोगों को ही राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनना है। हमें 12-13 करोड़ सदस्यों में से प्रक्रिया के बाद चुनना है। इसलिए राष्ट्रीय अध्यक्ष के लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव में थोड़ा समय लग रहा है, आपकी पार्टी में अध्यक्ष के चुनाव में बिल्कुल भी समय नहीं लगेगा। लेकिन, मैं ये बात गारंटी से कह सकता हूं कि आप 25 साल अध्यक्ष बने रहेंगे। अमित शाह की टिप्पणी पर अखिलेश यादव भी मुस्कुराते हुए नजर आए। अखिलेश यादव ने कहा कि अध्यक्ष जी जो बात सामने से निकलकर आई है, मैं उसको आगे बढ़ा देता हूं, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जो बात गुपचुप हो रही है, कहीं ऐसा तो नहीं था कि कुछ दिन पहले जो यात्रा हुई है, वो कहीं 75 वर्ष की एक्सटेंशन वाली यात्रा तो नहीं थी।

अलवर साइबर सेल पर लॉ स्टूडेंट से मारपीट और छेड़छाड़ का आरोप, पुलिस ने किया इनकार

अलवर ,03 अप्रैल
(आरएनएस)।

राजस्थान के अलवर जिले में साइबर सेल के पुलिसकर्मियों पर एक लॉ स्टूडेंट के साथ मारपीट, छेड़छाड़ और मोबाइल छीनने का गंभीर आरोप लगा है। पीड़िता का दावा है कि उसने अपनी शिकायत को लेकर कई बार पुलिस के पास गुहार लगाई, लेकिन उसकी सुनवाई नहीं हुई।पीड़िता के मुताबिक किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसके नाम और मोबाइल नंबर का दुरुपयोग कर फेसबुक और इंस्टाग्राम पर फर्जी अकाउंट बनाए थे। इन अकाउंट्स को हटवाने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग लेकर वह साइबर सेल पहुंची थी। लेकिन उसका आरोप है कि वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने उसके साथ मारपीट की, अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया और छेड़छाड़ की। इतना ही नहीं, पुलिसकर्मियों ने उसका मोबाइल छीन लिया और उसे धमकाने की कोशिश की। पीड़िता के मुताबिक, जब स्थानीय पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की तो वह अतिरिक्त जिला कलेक्टर और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के पास पहुंची। लेकिन वहां भी उसे एक घंटे तक इंतजार कराया गया और कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। अब पीड़िता ने उच्च अधिकारियों से न्याय की गुहार लगाई है और साइबर सेल के दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।वहीं, साइबर सेल थाने की इंचार्ज पुलिस उपाधीक्षक शालिनी बजाज ने इन आरोपों को खारिज किया है। उनका कहना है कि ऐसा कोई मामला उनके संज्ञान में नहीं आया है।

नवरात्रि में मां अम्बे की उपासना सभी भक्तों को भावविभोर कर देती है : पीएम मोदी

नई दिल्ली ,03 अप्रैल
(आरएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवरात्र के चौथे दिन की शुभकामनाएं देशवासियों को दीं। उन्होंने अपने संदेश के साथ 'अम्बा स्तवम्' सुनने की अपील लोगों से की। वहीं, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी मां कूष्मांडा और मां स्कंदमाता की महिमा का गुणगान किया और लोक कल्याण की प्रार्थना की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, नवरात्रि में मां अम्बे की उपासना सभी भक्तों को भावविभोर कर देती है। देवी मां के स्वरूपों को समर्पित यह स्तुति अलौकिक अनुभूति देने वाली है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने इस संबंध में दुर्गा स्तुति 'अम्बा स्तवम्' सुनने की सलाह भी दी। उन्होंने एक यू ट्यूब लिंक शेयर किया जिसमें 9 बालिकाएं मां की स्तुति कर रही हैं। ये अमृतमय 'स्वराभिषेकम' ब्रह्माश्री सदाशिवन ने लिखा है और कुलदीप एम. पई ने इसे संगीत में पिरोया है।वहीं, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मां कूष्मांडा और मां स्कंदमाता का गुणगान किया। पहली पोस्ट में मां कूष्मांडा से कृपा की याचना करते हुए लिखा- सिद्धियों और निधियों की प्रदात्री, शक्ति स्वरूपा मां भगवती के चतुर्थ स्वरूप मां कूष्माण्डा से प्रार्थना है कि सभी भक्तों तथा प्रदेश वासियों को सुख-समृद्धि का आशीर्वाद प्रदान

करें।इसके बाद सीएम योगी ने लिखा- नमामि स्कन्दमातरं स्कन्धधारिणीम्। समग्रतत्त् वसागरामपा रपारगहराम्। आदिशक्ति मां दुर्गा के पंचम स्वरूप स्कन्दमाता की पूजा-अर्चना से उन्नति एवं प्रगति के मार्ग प्रशस्त होते हैं। जगजननी से प्रार्थना है कि आपका आशीर्वाद सकल संसार पर बना रहे, सभी का कल्याण हो। जय मां स्कन्दमाता।बता दें कि माता कुष्मांडा के रूप में पूजी जाने वाली देवी दुर्गा को ब्रह्मांड की रचयिता के रूप में जाना जाता है, जो जीवन प्रदान करने वाली दीप्तिमान मुस्कान का प्रतीक हैं। कूष्मांडा का अर्थ छोटा और अंडाकार ऊर्जा पिंड है। यह हमारे हृदयस्थ स्थिति का प्रतीक भी है। मां समृद्धि, स्वास्थ्य और साहस का प्रतिनिधित्व करती हैं।देवी कुष्मांडा को हिंदू दर्शन में सौर मंडल की सर्वोच्च देवी माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि माता कूष्मांडा की पूजा करने से उनके सभी भक्तों को सभी बीमारियों, दुखों और खामियों से लड़ने की क्षमता मिलती है।नवरात्रि की पंचमी तिथि को मां दुर्गा के स्कन्दमाता स्वरूप की पूजा की जाती है। स्कन्दमाता को भगवान कार्तिकेय (स्कन्द) की माता के रूप में जाना जाता है। ये मां दुर्गा का ममता और शक्ति से भरा रूप हैं, जो अपने भक्तों को स्नेह और आशीर्वाद देती हैं। स्कन्दमाता को शक्ति, साहस और ज्ञान की देवी माना जाता है।स्कन्दमाता चार भुजाओं वाली हैं। उनकी दो भुजाओं में कमल के फूल हैं, एक भुजा से वे भक्तों को आशीर्वाद देती हैं और चौथी भुजा में वे अपने पुत्र स्कन्द (कार्तिकेय) को गोद में लिए हैं। मां का यह रूप बेहद शांत और सौम्य है। वे श्वेत वस्त्र पहनती हैं और कमल के आसन पर विराजमान रहती हैं, इसलिए इन्हें पद्मासना भी कहते हैं। उनका वाहन शेर है, जो शक्ति और नन्हे स्कन्द के साथ ममता का अनोखा संगम दिखाता है।स्कन्द भगवान कार्तिकेय का नाम है और माता यानी मां। इस तरह स्कन्दमाता का मतलब है कार्तिकेय की मां। कार्तिकेय को सेनापति के रूप में पूजा जाता है, और उनकी मां होने के नाते स्कन्दमाता भी शक्ति और संरक्षण की प्रतीक हैं।

बेटी के नाम पर बनाई आईडी,माई सर्किल 11 पर सरपंच के पति का लगा 3 करोड़ का जैकपॉट

करनाल ,03 अप्रैल
(आरएनएस)।

आजकल आईपीएल का खुमार पूरे देश पर चढ़ा हुआ है।?इस खुमार को लेकर कई ?प्रकार के ऑनलाइन गेम्स पैसा कमाने का मौका देते हैं।?ऐसे ही एक मौके से महिला सरपंच के पति को बंपर फायदा हुआ है।?गांव सुहाना की महिला सरपंच के पति विक्रम ने 3 करोड़ रुपये और थार जीती है। यह जैकपॉट उसे माई सर्कल 11 पर लगा है। विक्रम ने आईपीएल के दौरान पंजाब और लखनऊ के मुकाबले के दौरान माई ?सर्किल ऐप पर 49 रुपए से बैट लगाई थी।?एक तरफ जहां उन्होंने 3 करोड़ रुपए जीते हैं, साथ ही इसके साथ ही उन्हें एक महिंद्रा थार गाड़ी भी मिलेगी।

प्राइवेट स्कूलों की 'मनमानी' पर सरकार सख्त, 78 स्कूलों को नोटिस जारी कर मांगा जवाब

रांची ,03 अप्रैल
(आरएनएस)।

झारखंड सरकार ने प्राइवेट स्कूलों की मनमानी के खिलाफ सख्त रुख अख्तियार किया है। स्कूली शिक्षा विभाग के मंत्री रामदास सोरेन ने फीस वृद्धि, रि-एडमिशन के नाम पर रकम वसूली, स्कूल की ओर से निर्धारित दुकानों से ही किताबें खरीदने की शर्तें लगाने जैसी शिकायतों पर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की गाइडलाइन का अनुपालन नहीं करने वाले स्कूलों पर 50 हजार से लेकर 2.50 लाख रुपए तक जुर्माना लगाया जाएगा।मंत्री के निर्देश पर उनके गृह जिले पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर) में शिक्षा विभाग ने 78 प्राइवेट स्कूलों को नोटिस जारी किया है। इन स्कूलों में सरकार की गाइडलाइन के उल्लंघन की शिकायतें मिली हैं। जिला शिक्षा पदाधिकारी और जिला शिक्षा अधीक्षक की ओर से नोटिस में इन स्कूलों के मैनेजमेंट को 3 अप्रैल तक जवाब देने का कहा गया है। स्कूलों को जारी नोटिस में झारखंड शिक्षा न्यायाधिकरण (संशोधन) अधिनियम 2017 के प्रावधानों का हवाला देते हुए कहा गया है कि स्कूल भवन, संरचना या परिसर का उपयोग केवल शिक्षा के उद्देश्य के लिए किया जाएगा और स्कूल परिसर में शिविर लगाकर किताब या अन्य सामग्री (यूनिफॉर्म-जूते) की खरीद के लिए अभिभावक या छात्र-छात्राओं को बाध्य-प्रेरित नहीं करने से संबंधित निर्देश हैं। इसके बावजूद स्कूल परिसर का उपयोग किताब बेचने के लिए किया जा रहा है।कई स्कूलों में तय गाइडलाइन का उल्लंघन कर नए सत्र से फीस वृद्धि की शिकायतें भी मिली हैं। शिक्षा विभाग ने प्राइवेट स्कूलों के मैनेजमेंट को पिछले तीन साल में फीस स्ट्रक्चर और उसमें वृद्धि का रिकॉर्ड प्रस्तुत करने को कहा है। विभाग की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि विद्यालय स्तरीय फीस निर्धारण समिति का कार्यकाल तीन वर्षों के लिए होता है, लेकिन कुछ स्कूल इस निर्देश का अनुपालन नहीं कर रहे हैं। शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने बताया कि सभी जिलों के आयुक्तों और उपायुक्तों को पत्र लिखकर निर्देश दिया गया है कि झारखंड शिक्षा न्यायाधिकरण (संशोधन) अधिनियम 2017 के आलोक में शुल्क समितियों का गठन सुनिश्चित कराएं। विद्यालय स्तर पर शुल्क निर्धारण के लिए गठित कमेटी में प्राचार्य, सचिव, विद्यालय प्रबंधन की ओर से मनोनीत तीन शिक्षक और शिक्षक संघ की ओर से नामित चार बच्चों के अभिभावक होंगे। विद्यालय प्रबंधन को फीस निर्धारण के एजेंडा और बैठक की जानकारी एक सप्ताह पहले देनी होगी।

रांची के पास गांव में जुलूस के दौरान दो पक्षों में संघर्ष, आठ घायल

रांची ,03 अप्रैल
(आरएनएस)।

रांची के पिठौरिया थाना क्षेत्र के हेठबालू गांव में मंगलवार की रात आदिवासियों के त्योहार सरहुल पर निकाले गए जुलूस के दौरान दो पक्षों के बीच मारपीट की घटना के बाद इलाके में तनाव की स्थिति है। इस संघर्ष में दोनों पक्ष से करीब सात-आठ लोग घायल हो गए हैं।घायलों में एक आदिवासी पाहन (पुजारी) भी हैं। हालांकि, इस घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस-प्रशासन की टीम ने स्थिति को तत्काल काबू में कर लिया। इसके बाद गांव में बड़ी तादाद में पुलिस बल की तैनाती की गई है। बताया गया है कि हेठबालू गांव में एक समुदाय के लोगों ने अपने त्योहार को लेकर सड़क के दोनों छोर पर बिजली की लड़ियां लगाई थीं।मंगलवार को सरहुल पर इसी रास्ते से जब जुलूस निकला, तो उनके झंडों से सड़क किनारे लगी बिजली की कई लड़ियां टूट गईं। इसी बात पर दो पक्षों में विवाद इस कदर बढ़ा कि दोनों ओर से लाठी-डंडे और ईंट-पत्थर चलने लगे।

पंजाब को नशा मुक्त बनाने के लिए अभियान तेज, बरनाला में मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद ने की बैठक

बरनाला ,03 अप्रैल
(आरएनएस)।

पंजाब को नशा मुक्त बनाने के लिए पंजाब सरकार द्वारा शुरू की गई 'युद्ध नशे विरुद्ध' मुहिम के तहत पंजाब के कैबिनेट मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद ने बरनाला के जिला प्रशासनिक परिसर के मीटिंग हॉल में सिविल, पुलिस प्रशासन और विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने नशे के खिलाफ चल रहे अभियान को और तेज करने के निर्देश दिए।

मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद ने कहा कि पंजाब की युवाशक्ति को बर्बाद करने वाले नशा तस्करों के लिए अब राज्य में कोई जगह नहीं है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नशे के खात्मे और युवाओं को इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के लिए यह व्यापक अभियान निरंतर जारी रखा जाए।उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पिछले तीन वर्षों से नशा तस्करों

के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है, जबकि पिछली सरकारों ने इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया। बैठक में विभिन्न विभागों ने अपनी प्रगति रिपोर्ट साझा की। मंत्री ने बताया कि बरनाला जिले की 175 पंचायतों ने नशे के खिलाफ शपथ ली है और जिला प्रशासन नशा छोड़ चुके युवाओं को प्रेरणा स्रोत बनाकर दूसरों को प्रोत्साहित कर रहा है। जिला स्तर पर आयोजित लाइट एंड साउंड शो में करीब 4,000 लोग शामिल हुए। अब गांवों में नुक्कड़ नाटकों के जरिए जागरूकता फैलाई जाएगी।सौंद ने प्रशासन को हर गांव और शहर में नुक्कड़ नाटक आयोजित करने और सार्वजनिक स्थानों पर जागरूकता बोर्ड लगाने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि नशे की दलदल में फंसे लोगों को मुख्यधारा में लाने के लिए व्यापक प्रयास किए जाएं। साथ ही, सभी जिलों में मंत्रियों को इस अभियान के तहत विशेष जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।जिला प्रशासन ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग, बरनाला ने अभियान के तहत 391 फार्मों की जांच की, जिनमें से 36 पर नियमों के उल्लंघन पाए गए। 3 फार्मों को सील किया गया, 2 के लाइसेंस रद्द किए गए और 1 करोड़ रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई। इसके अलावा, 11 फार्मों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए।बरनाला पुलिस ने 277 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिनसे 18 किलो पोस्त और करीब 7,500 नशीली गोलियां बरामद की गईं। नशा तस्करी से जुड़े एक घर को भी ध्वस्त किया गया। सौंद ने कहा कि 175 पंचायतों ने नशे के खिलाफ प्रस्ताव पारित कर पुलिस का साथ देने का वचन दिया है।मंत्री ने विश्वास जताया कि यदि लोगों का इसी तरह समर्थन मिलता रहा तो पंजाब जल्द ही नशे के खिलाफ इस जंग को जीत लेगा। 'युद्ध नशे विरुद्ध' अभियान के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं और यह मुहिम राज्य को नशा मुक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हो रही है।

वक्फ संशोधन विधेयक के समर्थन में मुस्लिम समाज सड़कों पर उतरा

भोपाल ,03 अप्रैल
(आरएनएस)।

लोकसभा में बुधवार को वक्फ संशोधन विधेयक पेश किया जा रहा है। इस विधेयक में किए गए प्रावधानों से मुस्लिम समाज खुश और उत्साहित है। यही कारण है कि मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल की सड़कों पर उतरकर मुस्लिम समुदाय के लोग इस संशोधन विधेयक का समर्थन कर रहे हैं। केंद्र सरकार द्वारा बुधवार को लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पेश किया जा रहा है। इसको लेकर राजनीतिक दल दो हिस्सों में बटे हुए हैं, सत्ताधारी दल एनडीए के साथी इस विधेयक को मुस्लिम समाज के हित में बता रहे हैं, वहीं कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दल इसे मुस्लिमों के हक पर प्रहार बता रहे हैं।

इस विधेयक को लेकर आमजन मुखरता से अपनी राय जाहिर नहीं कर रहे हैं, मगर मध्य प्रदेश की राजधानी में जो नजारा सामने आया है, वह मुस्लिमों की इस विधेयक को लेकर संतुष्टि को जाहिर कर रहा है।राजधानी के आनंदपुर क्षेत्र के कोकता मैदान में पहुंचकर मुस्लिम समाज के लोग अपनी खुशियां जाहिर कर रहे हैं। महिलाएं बुर्के में पहुंची और अपनी खुशी का इजहार कर रही हैं। ढोल बज रहे हैं और लोग अपनी भावनाएं जाहिर करते हुए हाथों में पोस्टर लिए हुए हैं, जिन पर शुक्रिया मोदी जी लिखा हुआ है।इसी तरह भोपाल के ही हताई खेड़ा क्षेत्र में भी मुस्लिम समाज के लोग इस विधेयक को लेकर अपनी खुशियां जाहिर कर रहे हैं। संशोधन विधेयक को लेकर खुशियां मनाने वाली महिलाओं का कहना है कि देश की मोदी सरकार मुस्लिम समाज के उत्थान और कल्याण के लिए लगातार कदम उठा रही है।

वक्फ बिल से मुसलमानों को फायदा, विपक्ष कर रहा गुमराह : शहाबुद्दीन रजवी

बरेली ,03 अप्रैल
(आरएनएस)।

ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के प्रमुख मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने बुधवार को कहा कि वक्फ (संशोधन) विधेयक से मुसलमानों को कोई खतरा नहीं है, बल्कि इससे उन्हें काफी लाभ होगा। उन्होंने दावा किया कि कुछ राजनीतिक समूह विधेयक के बारे में अनावश्यक भय फैलाकर जनता को गुमराह कर रहे हैं।

रजवी ने कहा, मुझे उम्मीद है कि संसद में वक्फ (संशोधन) विधेयक बिना किसी व्यवधान के पारित हो जाएगा। विपक्ष निश्चित रूप से हंगामा करेगा क्योंकि वह वोट बैंक की राजनीति करना चाहता है, इसलिए वह अपने वोट बैंक को बनाए रखने के लिए निश्चित रूप से हंगामा करेगा।इस बिल से मुस्लिम समुदाय को नुकसान पहुंचने की आशंकाओं को खारिज करते हुए उन्होंने कहा, वक्फ (संशोधन) विधेयक से मुसलमानों को कोई खतरा नहीं है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) और राजनीतिक समूहों से जुड़े अन्य लोग मुसलमानों को डरा रहे हैं, उन्हें गुमराह कर रहे हैं, अफवाहें फैला रहे हैं और गलतफहमियां पैदा कर रहे हैं।उन्होंने कहा, हालांकि, मैं मुसलमानों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि न तो उनकी मस्जिदें और न ही ईदगाह, दरगाह या कब्रिस्तान छीने जाएंगे। यह केवल और केवल एक अफवाह है।बिल के फायदों पर प्रकाश डालते हुए रजवी ने कहा, संशोधन लागू होने के बाद होने वाली आय गरीब, कमजोर, असहाय, धर्मपरायण और विधवा मुसलमानों पर खर्च की जाएगी। इससे उनकी तरक्की और विकास होगा। शिक्षा के क्षेत्र में काम किया जाएगा और इससे होने वाली आय से स्कूल, कॉलेज, मदरसे और मस्जिद खोले जाएंगे और उनका रखरखाव किया जाएगा।विधेयक के उद्देश्य के बारे में विस्तार से कहा, हमारे बुजुर्गों की कल्पना के अनुसार वक्फ का उद्देश्य यह था कि इससे होने वाली आय को जनकल्याण कार्यों में लगाया जाए। लेकिन भ्रष्टाचार के कारण ऐसा नहीं हो सका।उन्होंने कहा, अब यह नया विधेयक भ्रष्टाचार को रोकेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि पैसा वैध उद्देश्यों पर खर्च हो। यह मुसलमानों की तरक्की के लिए है, जिन्हें इससे लाभ होगा। निजी लाभ के लिए करोड़ों रुपये की वक्फ बोर्ड की जमीनों की अवैध बिक्री पर रोक लगेगी और आय का उपयोग सही उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।विधेयक के पारित होने की आशा व्यक्त करते हुए, रजवी ने कहा, हमें उम्मीद है कि यह विधेयक संसद के दोनों सदनों, लोकसभा और राज्यसभा में पारित हो जाएगा और यह मुसलमानों के हित में साबित होगा, तथा लोगों के कल्याण के लिए एक मील का पत्थर बनेगा।रजवी ने इससे पहले भी कई मुस्लिम समूहों और राजनीतिक दलों पर इस बिल के बारे में समुदाय को गुमराह करने का आरोप लगाया है। उन्होंने एआईएमपीएलबी पर अपने मूल उद्देश्य से भटकने और राजनीतिक एजेंडों से प्रभावित होने का भी आरोप लगाया है।

हरियाणा में बिजली 20 पैसे प्रति यूनिट महंगी, नए टैरिफ ढांचे में 300 यूनिट तक मासिक शुल्क खत्म

चंडीगढ़ ,03 अप्रैल
(आरएनएस)।

विधानसभा और निकाय चुनाव के बाद हरियाणा के 81 लाख घरेलू बिजली उपभोक्ताओं को झटका लगा है। प्रदेश में घरेलू बिजली के श्रेणी-1 उपभोक्ताओं के (0-50 व 51-100) और श्रेणी-2 (0-150) में बिजली दर में 20 पैसे प्रति यूनिट की दर से वृद्धि की गई है। अब नई टैरिफ व्यवस्था शुरू की गई है। इसमें 300 यूनिट तक मासिक ऊर्जा खपत वाले घरेलू उपभोक्ताओं पर कोई निश्चित शुल्क नहीं लगाया जाएगा, जो 115 से 125 रुपये तक अलग-अलग श्रेणियों में लगता था। इसके अलावा बल्क उपभोक्ताओं के लिए 40 पैसे प्रति यूनिट की दर से वृद्धि हुई है।घरेलू श्रेणी के उपभोक्ताओं को लोड के आधार पर 3 श्रेणियों में बांटा गया है। कुल घरेलू उपभोक्ताओं में से लगभग 78 प्रतिशत लोग 2 किलोवाट तक लोड वाले हैं। लगभग 16 फीसदी 2 से 5 किलोवाट तक और केवल 6 फीसदी 5 किलोवाट से अधिक लोड वाले हैं।

माखनलाल चतुर्वेदीः राष्ट्र निर्माण के प्रखर देशप्रेम से ओत प्रोत देशभक्त पत्रकार, कवि, लेखक

हिंदी साहित्य जगत में 'एक भारतीय आत्मा' के रूप में भी जाना जाता है

जन्म- 04-04-1889
जयंती-04-04-2025

माखनलाल चतुर्वेदी जी कवि, लेखक और पत्रकार के रूप मे जाने जाने वाले माखनलाल चतुर्वेदी जी के अनुसार राजनीति और साहित्य के मध्य एक अटूट सबंध मानने वाले राष्ट्रीय कायर्कर्ता। जिनकी रचनाएँ अत्यंत लोकप्रिय हुई। सरल भाषा और भावों-भावनाओं के वे अनुठे प्रणेता रहे। उन्होंने प्रभा, प्रताप और कर्मवीर जैसी पत्रिकाओं का संपादन कार्य करते हुए राष्ट्रीय जागरण का अलख जगाया। इन प्रतिष्ठित पत्रों के संपादन के माध्यम से माखनलाल जी ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ जिस शिद्दत के साथ प्रचार किया और नई पीढ़ी को प्रोत्साहित भी किया कि वे गुलामी की जंजीरों को तोड़ कर बाहर आए और इसके लिए उन्हें अनेक बार ब्रिटिश सामराज्य के कोप भाजन बनना पड़ा। इनकी देशभक्ति के प्रमाण की जरूरत नहीं है। वे 1921-1922 मे असहयोग आंदोलन मे सक्रिय रूप से भाग लेते हुए जेल की यात्रा भी की । स तरह इन्होंने स्वतंत्रता की लड़ाई का लंबा संघर्ष देखा था। श्री माखनलाल चतुर्वेदी जी का जन्म मध्य प्रदेश के होशंगाबाद जिले मे बबई नामक गाँव मे हुआ था। पिता नंदलाल चतुर्वेदी इसी गाँव के प्राथमिक विद्यालय में अध्यापक थे। तथा माता का नाम श्रीमती सुकर बाई था. जो एक ग्रहणी थी। इनके अल्प आयु मे ही पिता का स्वर्गवास हो जाने के कारण पिता-माता के रूप मे माँ ने परिवार के भरणङ्कपोषण और उनकी शिक्षा-दीक्षा का भार वहन करते हुए जीवन निर्वाह करते रहे। इन्हीं कारमों से बाल्यकाल कई उतार-चढ़ावों के साथ बाता। जिस स्थान पर इनका जन्म हुआ था वहाँ पर शिक्षा की अच्छी व्यवस्था न होने के कारण उनकी माता ने उन्हें उनकी बुआ के पास 'सारमनी' नामक कस्बें मे शिक्षा के लिए भेज दिया। यहाँ 10वर्ष तक उनकी शिक्षा चलती रही और इसी जगह पर न्हें काव्य रचना की प्रेरणा भी मिली।

तीन- माखनलालजी के अभिभाषण/ व्याख्यान।

राष्ट्रीय भावना और ओज के कवि माखनलाल जी आरंभिक शिक्षा, प्राथमिक शिक्षा के बाद घर पर ही स्वाध्याय से इन्होंने संस्कृत, बंगला, अंग्रेजी, गुजराती आदि भाषाओं का अध्ययन करते हुए इन भाषाओं का ज्ञान प्राप्त किया। जो घर पर ही हुई। जिसके उपरांत अध्यापन और साहित्य-सृजन से संलग्न हुए। माखनलाल चतुर्वेदी जी जब स्वाध्याय कर रहे थे उसी दौराम 15 वर्ष की आयु में उनका विवाह ग्यारसी बाई से हुआ। किंतु कुछ ही वर्षों बाद उनके वैवाहिक जीवन का भी उनकी पत्नी के असाध्य रोग के कारण हुई मृत्यु ने फिर अकेला कर दिया। पश्चात मात्र 16 वर्ष की उम्र मे वह शिक्षक बने।

इन दिनों के घटनाक्रम पर हम विचार करें तो देखते है, कि माखनलाल चतुर्वेदी जी की स्थिति तत्कालीन राष्ट्रीय जरूरत क्य रही होगी यह प्रश्न हमेशा बहुत ही कठिन होता है। उस समय लोकमान्य तिलक का उद्घोष- ' स्वतंत्रता हमारा जन्मसिध्द अधिकार है ' सभी बलिपंथियों का यह प्रेरणास्त्रोत बन चुका था। इसी दौरान दक्षिण अफ्रीका मे सत्याग्रह के अमोध अस्त्र का सफल प्रयोग कर कर्मवीर मोहनदास करमचंद गाँधी जी का राष्ट्रीय परिदृष्य के केंद्र मे आगमन हो चुका था। उस समय की जो मांगें थी आर्थिक स्वतंत्रता के लिए स्वदेशी का मार्ग चुना गया था, सामाजिक सुधार के अभियान गतिशील थे और राजनीति चेतना के रूप में सभी के दिलो में स्वतंत्रता की चीह ने आकार लेना शुरू कर दिया था और यह सभी की सर्वोच्च प्रथमिकता बनती जा रही थी।

एक और साहित्यकार ' 'माधवराव स्प्रे'' जी का ' 'हिंद केसरी'' व्दारा एक निबंध प्रतियोगिता जिसका विषय ' 'राष्ट्रीय आंदोलन और बहिष्कार'' का आयोजन हुआ जिसमें खंडवा के युवा अध्यापक माखनलाल चतुर्वेदी जी के निबंध को प्रथम चुना गया।

माखनलाल चतुर्वेदी ने वर्ष 1905 में बंबई (वर्तमान मुंबई) के निकट देहात 'मसन' में अध्यापक के रूप में नौकरी की। बता दें कि ये वो दौर था जब संपूर्ण भारत में हर जगह ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ आंदोलन हो रहे थे। इसी समय उनका भी परिचय कई क्रांतिकारियों से हुआ। इसके साथ ही उनकर स्वामी रामतीर्थ, पंडित माधवराव स्प्रे, सैयद अलीमीर और माणिकचंद्र जैन के विचारों का व्यापक प्रभाव पड़ा। जब उनका तबादला वर्ष 1907 में खंडवा जिले में हुआ तब तक वह हिंदी काव्य जगत में एक प्रतिष्ठित कवियों के रूप में अपना स्थान बना चुके थे। वहीं अब वह साहित्य और पत्रकारिता के क्षेत्र में इतने विख्यात हो चुके थे कि उन्होंने 08 वर्षों तक अध्यापन कार्य के बाद उस नौकरी से इस्तीफा दें दिया और अपना संपूर्ण जीवन साहित्य के सृजन में लगा दिया। अप्रैल 1913 मे खंडवा के हिंदी सेवी कालूराम गंगराडे ने मासिक पत्रिका 'प्रभा' का प्रकाशन आरंभ किया और इसके संपादन का दायित्व माखनलाल चतुर्वेदी को सऔंपा गया यहाँ से इनके साहित्यिक संपादन की शुरूआत हो गई। उन्होंने अध्यापक की नौकरी छोड़ दी और पत्रकारिता, साहित्य और राष्ट्रीय आंदोलन के लिए समर्पित हो गए। इसी वर्ष कानपुर से गणेश शंकर विद्यार्थीजी ने ' 'प्रताप'' नामक पत्रिका का संपादन-प्रकाशन आरंभ किया। माखनलाल चतुर्वेदी जो इस समय, और इसी क्रम मे 1916 में लखनऊ कांग्रेस अधिवेशन के दौरान उनकी मुलाकात गणेश शंकर विद्यार्थीजी के साथ मैथलीशरण गुप्त और महात्मा गाँधी से मुलाकात हो गई इनके संपर्क मे आने के साथ उनपर इनके देश-प्रेम का और सेवाव्रत का गहरा असर पड़ता गया। महात्मा गाँधी द्वारा आहूत सन 1920 के असहयोग आंदोलन में महाकोशल अंचल से पहली गिरफ्तारी देने वाले माखनलालजी ही थे। सन 1930 के सविनय अवज्ञा आंदोलन में भी उन्हें गिरफ्तारी देने का प्रथम सम्मान मिला। उनके महान कृतित्व के तीन आयाम हैं = एक, पत्रकारिता- प्रभा , कर्मवीर और प्रताप का संपादन। दो- माखनलालजी की कविताएँ, निबंध, नाटक और कहानी। तीन- माखनलालजी के अभिभाषण/ व्याख्यान।

1921 के असहयोग आंदोलन के दौरान राजद्रोह के आरोप में सरकार ने कारागार में डाल दिया जहाँ से एक वर्ष बाद मुक्ति मिली। 1924 में गणेश शंकर विद्यार्थी की गिरफ़्तारी पर 'प्रताप' का संपादन सँभाला। कालांतर में 'संपादक सम्मेलन' और 'हिंदी साहित्य सम्मेलन' के अध्यक्ष भी रहे। एक तरफ जहाँ वह क्रांतिकारी आंदोलनों में भाग लेते थे थो दूसरी तरफ अपनी कविताओं और पत्रिकाओं के माध्यम से राष्ट्रभक्ति की भावना को व्यक्त व ब्रिटिश शासन का पुरजोर विरोध करते रहे। इसी कारण ब्रिटिश हुकूमत ने घबराकर उनपर राजद्रोह का अभियोग लगा दिया जिसके कारण उन्हें कुछ वर्ष जेल में भी रहना पड़ा। वहीं वर्ष 1919-1920 के बीच भारतीय राजनीति में महात्मा गांधी का आगमन होने के बाद उनपर गांधी जी के विचारों का भी गहरा प्रभाव पड़ा। बता दें कि जेल से रिहा होने के बाद भी ब्रिटिश हुकूमत द्वारा उनपर कड़ी नजर रखी जाती थी। एक बार जब वह जबलपुर की एक सभा में ब्रिटिश शासन के खिलाफ अपना भाषण दे रह थे। तब उनपर परिणास्वरूप पुन: 12 मई 1930 को राजद्रोह का अभियोग लगाकर 1 वर्ष के लिए जेल में कैद कर दिया। किंतु वह ब्रिटिश शासन के इस शोषण व अत्याचारों से तनिक भी विचलित नहीं हुए और मुखर स्वर में ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ अपनी रचनाएँ करते रहे। इसके बाद माखनलाल चतुर्वेदी ने वर्ष 1924 में गणेश शंकर विद्यार्थी की गिरफ़्तारी होने के बाद प्रताप पत्रिका के संपादन का कार्यभार सँभाला। जिसके बाद वह कालांतर में संपादक सम्मेलन और हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष भी रहे। 'पुष्प की अभिलाषा' कविता से भारतीय जन-मन में हमेशा के लिए बस गए माखनलाल चतुर्वेदी को 'एक भारतीय आत्मा' के नाम से भी याद किया जाता है जिन्होंने देशप्रेम की अपनी कविताओं के माध्यम से न केवल अपने समय में बल्कि बाद की पीढ़ी-दर-पीढ़ी में भी राष्ट्रप्रेमी भावनाओं का संचार किया।

माखनलाल जी कहते हैः-
सखे, बता दो कैसे गाऊं, अमृत मौत का नाम न हो,
जगे एशिया, हिले विश्व और राजनीति का नाम नहो।

पुष्प की अभिलाषाः-
चाह नहीं, मैं सुरबाला के / गहनों में गूँथा जाऊँ
चाह नहीं प्रेमी-माला में बिंध / प्यारी को ललचाऊँ
चाह नहीं सम्राटों के शव पर / हे हरि डाला जाऊँ
चाह नहीं देवों के सिर पर / चढ़ूँ भाग्य पर इठलाऊँ
मुझे तोड़ लेना बनमाली
उस पथ पर देना तुम फेंक
मातृ-भूमि पर शीश- चढ़ाने
जिस पथ पर जावें वीर अनेक।

मरण-ज्वरः-
प्रहारक, बाण हो कि हो बात, / चीज़ क्या, आरपार जो न हो?
दान क्या, भिखमंगों के स्वर्ग! / प्राण तक तू उदार जो न हो?

फेंक वह जीत, या कि वह हार, / मिला बलि में प्रहार जो न हो?
चुनौती किसे? और किस भाँति? / कि अरि के कर कुठार जो न हो?

हार क्या?—कलियों का जी छेद, / बिंधा उनमें दुलार जो न हो?
प्यार क्या? ख़तरों का झूलना / झूलना बना प्यार जो न हो?

लौह बंधन, कि वार पर वार, / मधुर-स्वर क्यों? सितार जो न हो?
रखे लज्जा क्यों संत कपास! / पेर कर, तार-तार जो न हो?

दिखे हरियाली? मेघ श्याम, / कृषक चरणोपहार जो न हो?
शूलियाँ बनें प्रश्न के चिह्न, / देश का चढ़ा प्यार जो न हो?

तुम्हारे मेरे बीचों-बीच, / प्रणय का, बँधा तार जो न हो?
अरे हो जाय रुधिर बेस्वाद, / लाड़ला मरण-ज्वार जो न हो?

उनकी सृजनात्मक यात्रा के तीन आयाम रहे—एक, पत्रकारिता और संपादन जहाँ उन्होंने पत्र-पत्रिकाओं के माध्यम से राष्ट्रीय चेतना का जागरण किया; दूसरा, साहित्य-सृजन, जहाँ काव्य, निबंध, नाटक, कहानी आदि विधाओं में मौलिक लेखन के साथ युगीन संवाद और सर्जनात्मकता का विस्तार किया; और तीसरा, उनके व्याख्यान, जहाँ प्रत्यक्ष रूप से सामाजिक-साहित्यिक-राजनीतिक प्रश्नों से दो-चार हुए।

उनकी कविताओं में देशप्रेम(राष्ट्र-भक्ति) के साथ-साथ प्रकृति और प्रेम का भी चित्रण हुआ है। अतः वे सच्चे अर्थों में युग चाररण माने जाते हैं।

प्रकाशित कृतियाँ-हिमकिरीटिनी, हिम तरंगिणी, युग चारण, समर्पण, मरण ज्वार, माता, वेणु लो गूंजे धरा, बीजुरी काजल आँज रही आदि इनकी प्रसिद्ध काव्य कृतियाँ हैं।

कृष्णार्जुन युद्ध, साहित्य के देवता, समय के पाँव, अमीर इरादे ग़रीब इरादे आदि इनके प्रसिद्ध गद्यात्मक कृतियाँ हैं।

निबंध संग्रह -साहित्य देवता।, अमीर इरादे गरीब इरादे(1960ई0)

'माखनलाल चतुर्वेदी रचनावली' में उनकी रचनात्मक कृतियों का संकलन किया गया है।

माखनलाल चतुर्वेदी आधुनिक हिंदी साहित्य में छायावादी युग के अग्रणी कवि और पत्रकार माने जाते हैं। वहीं माखनलाल चतुर्वेदी छायावाद युग में जयशंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, सुमित्रानंदन पंत और महादेवी वर्मा के बाद उन चुनिंदा कवियों में से एक थे जिनके कारण वह युग विशेष हो गया। क्या आप जानते हैं कि माखनलाल चतुर्वेदी को हिंदी साहित्य जगत में एक भारतीय आत्मा के रूप में भी जाना जाता है। आधुनिक हिंदी साहित्य में अपना विशेष योगदान देने के लिए उन्हें वर्ष 1963 में गणतंत्र दिवस के विशेष अवसर पर भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन' द्वारा पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। इसके अलावा उन्हें अनेक प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका हैं जिनमें साहित्य अकादमा पुरस्कार(1955) ' देव पुरस्कार व साहू जगदीश पुरस्कार शामिल है।

यह भी बता दें कि माखनलाल चतुर्वेदी जी कई काव्य रचनाएँ जिनमें पुष्प की अभिलाषा, वीणा का तार, टॉती जंजीर, नई-नई कोपलें, हिमालय का उजाली व वर्षा ने आज विदाई ली... आदि को स्कूल के साथ ही बीए.और एमए के सिलेबस में विभिन्न विश्वविद्यालयों में पढ़ाया जाता हैं। इसी तरह 1943 में उस समय का हिन्दी साहित्य का सबसे बड़ा देव पुरस्कार माखनलालजी को हिम किरीटिनी पर दिया गया था। वर्ष 1947 में माखनलाल चतुर्वेदी को साहित्य वाच्स्पति की उपाधि से सम्मानित किया गया था। 1954 में साहित्य अकादमी पुरस्कार की स्थापना होने पर हिंदी साहित्य के लिए प्रथम पुरस्कार दादा को हिमतरंगिनी के लिए प्रदान किया गया। पुष्प की अभिलाषा और अमर राष्ट्र जैसी ओजस्वी रचनाओं के रचयिता इस महाकवि के कृतित्व को सागर विश्वविद्यालय 1959 में डी.लिट्. की मानद उपाधि से विभूषित किया। 10 सितंबर 1967 को राजभाषा हिंदी पर आघात करने वाले राजभाषा संविधान संशोधन विधेयक के विरोध में माखनलालजी ने यह अलंकरण लौटा दिया। 16-17 जनवरी 1965 को मध्यप्रदेश शासन की ओर से खंडवा में एक भारतीय आत्मा माखनलाल चतुर्वेदी के नागरिक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। तत्कालीन राज्यपाल श्री हरि विनायक पाटसकर और मुख्यमंत्री पं? द्वारकाप्रसाद मिश्र तथा हिंदी के अग्रगण्य साहित्यकार-पत्रकार इस गरिमामय समारोह में उपस्थित थे। भोपाल का माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय उन्हीं के नाम पर स्थापित किया गया है। उनके काव्य संग्रह हिमतरंगिणी के लिये उन्हें 1955 में हिंदी के साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। भारतीय डाक विभाग द्वारा माखनलाल चतुर्वेदी जी के सम्मान में वर्ष 1977 में एक स्मारक डाक टिकट भी जारी किया गया था।

इनका स्वर्गवास -30 जनवरी 1968 को हो गया और हमनें ऐसे राष्ट्र-भक्त को खो दिया।

महान साहित्कार को हमारी विनम्र श्रध्दाजंलि।

चिरंजीव
संकलन व लेखन
लिंगम चिरंजीव राव
म.न.11-1-21/1, कार्जी मार्ग
इच्छपुरम ,श्रीकाकुलम (आन्ध्रप्रदेश)
पिन:532 312 मो.न.8639945892

100 करोड़ के बड़े प्रोजेक्ट में श्रद्धा कपूर की एंट्री

तुम्बाड डायरेक्टर संग मिलाया हाथ, रहस्य, डर और रोमांच से एक बार फिर...

स्त्री 2 से बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचाने वाली एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर एक बार फिर से चर्चा में आ गई हैं. इस फिल्म के बाद बड़े-बड़े फिल्ममेकर्स और डायरेक्टर्स एक्ट्रेस के साथ काम करना चाहते हैं, लेकिन श्रद्धा अब अपने अगले प्रोजेक्ट्स को लेकर काफी सोच-समझकर ही फैसला ले रही हैं और थोड़ा वक्त लेकर ही साइन कर रही हैं.स्त्री 2 की सफलता के बाद उन्हें कई सारे ऑफर मिले और वह कई सारी स्क्रिप्ट्स पढ़ रही हैं, जो टी-सीरीज, धर्मा और एक्सेल जैसे बड़े बैनर्स से आ रही हैं. हालांकि इस बीच एक्ट्रेस को लेकर बड़ी खबर सामने आई है.दरअसल, अब खबर है कि श्रद्धा कपूर ने स्त्री 2 के बाद अपनी अगली फिल्म फाइनल कर ली है. एक्ट्रेस अब तुम्बाड फेम डायरेक्टर राही अनिल बर्वे के साथ एक धांसू थ्रिलर फिल्म करने जा रही हैं. सूत्रों की मानें तो श्रद्धा एकता कपूर के साथ कई फिल्मों पर बात कर रही थीं और इनमें से एक है राही की हाई-कॉन्सेप्ट थ्रिलर. इसकी स्क्रिप्ट तैयार है और श्रद्धा को कहानी इतनी पसंद आई कि वो इसे स्त्री 2 के बाद परफेक्ट मान रही हैं. राही इस फिल्म की प्री-प्रोडक्शन में 3-4 महीने लगाएंगे और 2025 की दूसरी छमाही यानी जुलाई-अगस्त में इस फिल्म की शूटिंग शुरू होगी. श्रद्धा इसके लिए काफी उत्साहित हैं.फिल्म से जुड़े सूत्र ने पिंकविला को बताया है, श्रद्धा कपूर एकता के साथ एक लव स्टोरी पर भी बात कर रही हैं, जिसे आशिकी 2 वाले मोहित सूरी डायरेक्ट करेंगे. इसमें वो आदित्य रॉय कपूर के साथ फिर से नजर आ सकती हैं.कुछ और प्रोजेक्ट्स भी श्रद्धा के पास हैं, लेकिन उनकी डिटेल्स अभी गुप्त रखी गई हैं. फैंस को इनके बारे में जानने के लिए थोड़ा इंतजार करना होगा.खबर ये भी है कि श्रद्धा स्त्री 3 से पहले कम से कम दो फिल्में पूरी करेंगी. स्त्री 3 में अभी वक्त है, हालांकि वो दिनेश विजन की हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स की दूसरी फिल्मों में कैमियो कर सकती हैं।

रेड 2 ओपनिंग डे पर करेगी धांसू कमाई

अप्रैल और मई के महीने में सिनेमाघर गुलजार रहने वाले हैं. एक के बाद एक कई फिल्में थिएटर में रिलीज होने वाली हैं. सनी देओल की जाट से लेकर राजकुमार राव की भूल चूक माफ तक बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने के लिए तैयार है. आइए जानते हैं कि कौन-सी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कितने करोड़ की ओपनिंग करने वाली है.

जाट

सनी देओल गदर 2 के बाद एक बार फिर पर्दे पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं. उनकी फिल्म जाट 10 अप्रैल को रिलीज हो रही है. फिल्म को गोपीचंद मालिनेनी ने डायरेक्ट किया है और इसमें रणदीप हुड्डा विलेन के किरदार में नजर आने वाले हैं. पिंकविला की मानें तो जाट बॉक्स ऑफिस पर 10 करोड़ रुपए की ओपनिंग करेंगी.

केसरी 2

अक्षय कुमार स्टारर देशभक्ति से भरपूर फिल्म केसरी 2 भी 18 अप्रैल को रिलीज हो रही है. गुड फ्राइडे के मौके पर सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली इस फिल्म में अनन्या पांडे और आर माधवन भी नजर आएंगे. करण सिंह त्यागी के डायरेक्शन में बनी केसरी 2 की बॉक्स ऑफिस पर 7 करोड़ रुपए का ओपनिंग कलेक्शन कर सकती है.

द भूतनी

द भूतनी के जरिए संजय दत्त लंबे समय बाद स्क्रीन पर दिखाई देंगे. उनकी ये हॉरर-कॉमेडी फिल्म 18 अप्रैल को केसरी 2 के साथ ही रिलीज होगी. सिद्धांत सचदेव के डायरेक्शन में बनी फिल्म को क्लैश का नुकसान उठाना पड़ सकता है. फिल्म पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर 2 करोड़ रुपए से खाता खोल सकती है.

रेड 2

अजय देवगन स्टारर फिल्म रेड 2 भी रिलीज के लिए तैयार है. 1 मई को थिएटर्स में दस्तक दे रही ये फिल्म 2018 की रेड का सीक्वल है. फिल्म में रितेश देशमुख और वाणी कपूर अहम रोल में हैं. रिपोर्ट के मुताबिक ये फिल्म केसरी 2, द भूतनी और जाट से भी यादा की ओपनिंग करेगी. फिल्म पहले दिन 13 करोड़ रुपए कमा सकती है।

रेड 2 में होगा तमन्ना भाटिया का धमाकेदार आइटम नंबर

अजय देवगनकी मच अवेटेड फिल्म रेड 2 पहले ही सुर्खियों में थी, और अब इसमें एक नया ट्विस्ट जुड़ गया है. खबर है कि फिल्म में तमन्ना भाटिया एक जबरदस्त आइटम नंबर करने वाली हैं, जिसमें उनका साथ देंगे मशहूर रैपर यो यो हनी सिंह (॥श्ठ्ठद्व4 स्द्बठ्ठद्दद्ध)-द्यद्मश ऋद्गड्डस्र - पिंक साड़ी में बला की खूबसूरत दिखीं तमन्ना भाटिया, यूजर्स बोले, आप साड़ी में..रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह गाना एक हाई-एनर्जी डांस ट्रैक होगा, जिसे विजय गांगुली कोरियोग्राफ करेंगे. इसे मुंबई के एक स्टूडियो में दो दिनों में शूट किया जाएगा. यह गाना फिल्म में एक प्रमोशनल ट्रैक की तरह जोड़ा जाएगा और इसका पोस्ट-क्रेडिट सॉन्ग के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा.हालांकि तमन्ना इस फिल्म के इस स्पेशल सॉन्ग में नजर आएंगी, लेकिन वह अजय देवगन के साथ स्क्रीन शेयर नहीं करेंगी. दिलचस्प बात यह है कि अजय और तमन्ना पहले ही फिल्म रेंजर में साथ काम कर रहे हैं, जिसका डायरेक्शन मिशन मंगल फेम जगन शक्ति कर रहे हैं.फिल्म रेड 2 में अजय देवगन एक बार फिर ईमानदार आईआरएस ऑफिसर अमय पटनायक के किरदार में नजर आएंगे. इस बार उनकी भिड़ंत एक ताकतवर बिजनेसमैन दादा भाई से होगी।

मलाइका अरोड़ा ने बनवाया एक और टैटू

मलाइका अरोड़ा हमेशा सुर्खियों का हिस्सा बनी रहती हैं. वो अपने काम से ज्यादा पर्सनल लाइफ को लेकर छाई रहती हैं. मलाइका अब तक कई टैटू बनवा चुकी हैं. उन्होंने हाल ही में एक टैटू बनवाया है जिसके बारे में उन्होंने बात की. मलाइका हाल ही में एक इवेंट में गई थीं जहां पर उनकेनए टैटू ने सबकी अटेंशन अपनी तरफ खींची है. मलाइका ने अपने नए टैटू के बारे में बात की. मलाइका ने खुद अपने टैटू का मतलब बताया है. ये टैटू उनकी लाइफ में कुछ एड कर रहा है.मलाइका अरोड़ा ने ईटाइम्स से खास बातचीत में टैटू के बारे में बात की. उन्होंने कहा- मेरे लिए टैटू जिंदगी के उस प्वाइंट पर आए हैं. मैं ये ऐसे ही नहीं बनवाती हूं. इसका पर्सनल मीनिंग है. साल 2024 मेरे लिए मुश्किल रहा है.मलाइका अरोड़ा ने अपने हाथ पर सब्र और शुकर लिखवाया है. मलाइका ने अब अपने इस टैटू का मतलब बताया है. उन्होंने कहा सबर का मतलब पेशेंस और शुकर का मुतलब ग्रैटिट्यूड होता है. ये शब्द मेरे साथ जब से हैं जब मैं ये सोचती हूं कि मैं पिछले साल की तुलना में मैं आज कहां हूं. बता दें साल 2024 मलाइका के लिए बहुत मुश्किल रहा है. उनके पिता अनिल मेहता इस दुनिया को छोड़कर चले गए थे. वहीं दूसरी तरफ उनका अर्जुन कपूर से ब्रेकअप हो गया था. पिता के निधन के बाद अर्जुन कपूर मलाइका के साथ खड़े रहे थे. वर्कफ्रंट की बात करें तो मलाइका इन दिनों रेमो डिसूजा के साथ रियलिटी शो को जज करती नजर आ रही हैं। मलाइका अपने डांस की वजह से फेमस हैं और उन्हें इस वजह से काफी पसंद किया जाता है।

रियलिटी शोज स्क्रिप्टेड होते हैं: टेरेंस लुईस

टेरेंस लुईस बॉलीवुड के मोस्ट पॉपुलर कोरियोग्राफर में से एक हैं. वे छोटे पर्दे पर कई डांस रियलिटी शोज में जज के तौर पर नजर आ चुके हैं. वहीं टेरेंस ने एक इंटरव्यू में रियलिटी शो के बारे में चौंकाने वाला खुलासा करते हुए माना कि ये अक्सर स्क्रिप्टेड होते हैं. इतना ही नहीं उन्होंने अनस्क्रिप्टेड कम्प्टीशन के पीछे की सच्चाई को भी उजागर किया और खुलासा किया कि टेलीविजन दर्शकों के लिए जानबूझकर कुछ खास मोमेंट बनाए जाते हैं.दरअसल पिंकविला से बातचीत में टेरेंस को चेन्नई एक्सप्रेस के प्रमोशन के दौरान डांस इंडिया डांस लिटिल मास्टर्स में दीपिका पादुकोण के साथ डांस करते हुए उनकी एक पुरानी तस्वीर दिखाई गई थी. उस फोटो पर रिएक्शन देते हुए उन्होंने बताया कि ऐसे पल शायद ही कभी अचानक आते हैं, क्योंकि हकीकक ये है कि ये पहले से ही प्लान किए जाते हैं. टेरेंस ने आगे कहा, बहुत से लोग मानते हैं कि हम डांस करना चाहते हैं, लेकिन रियलिटी ये है कि हमें इन पलों को बनाने के लिए कहा जाता है. इसलिए जब आप पूछते हैं कि क्या चीजें स्क्रिप्टेड होती हैं तो हां, गेस्ट्स और कंटेस्टेंट्स के इंटरेक्शन पहले से प्लान्ड होता है. हालांकि, डांस, जजमेंट, टैलेंट और कमेंट्स ऑथेंटिक रहते हैं. लेकिन कुछ भी जो एक ग्रेट प्रोमो मोमेंट बनाता है? वह स्क्रिप्टेड होता है.दीपिका के साथ वायरल डांस को याद करते हुए, उन्होंने खुलासा किया कि उन्हें स्टेड पर एक ड्रामैटिक मोमेंट बनाने के लिए कहा गया था. एक्ट्रेस को इसके बारे में पता नहीं था, और उन्हें रियलटाइम में इम्प्रोवाइज करना पड़ा. उन्होंने कहा, टेलीविजन माफ नहीं करता. इसमें न तो समय है और न ही बजटयरियलिटी शो ट्रॉप को लेकर टेरेंस ने कहा, मेल जज अभिनेत्रियों को मंच पर लाने में मदद करते हैं।

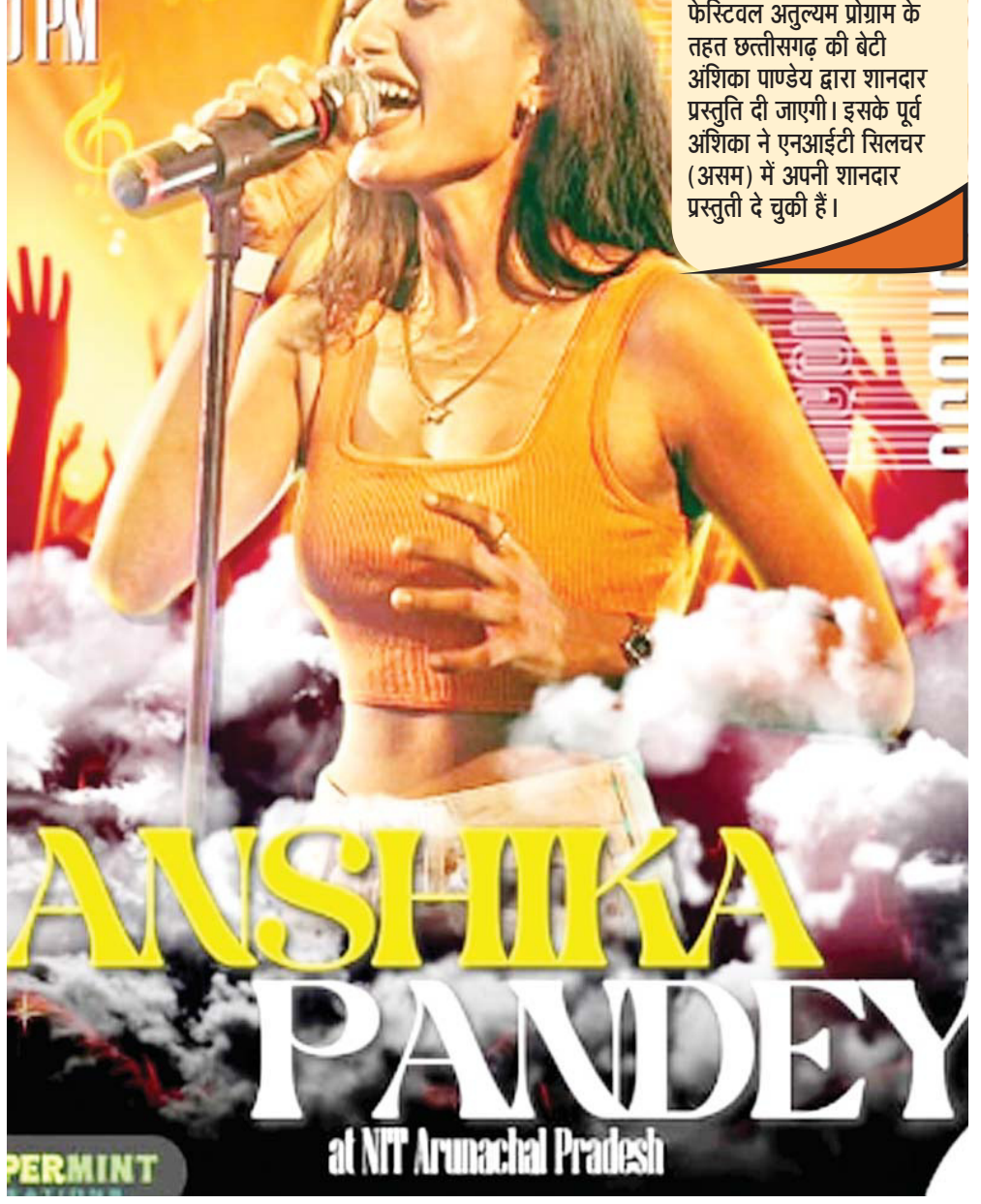

एनआईटी अरुणाचल प्रदेश में 10 अप्रैल को कैंपस म्यूजिक फेस्टिवल अतुल्यम प्रोग्राम के तहत छत्तीसगढ़ की बेटी अंशिका पाण्डेय द्वारा शानदार प्रस्तुति दी जाएगी। इसके पूर्व अंशिका ने एनआईटी सिलचर (असम) में अपनी शानदार प्रस्तुती दे चुकी हैं।

पंजीयन विभाग ने लक्ष्य के विरुद्ध 195 प्रतिशत राजस्व किया अर्जित

वित्तीय वर्ष 2024-25 में 245 करोड़ रुपए राजस्व हुआ प्राप्त, पुसौर और सरिया में खुलेंगे नए उप पंजीयन कार्यालय

वित्त मंत्री के प्रयासों से जिले में राजस्व अर्जन में बड़ी उपलब्धि के साथ पुसौर में नए उप पंजीयन कार्यालय और पुराने कार्यालयों के उन्नयन की मिली सौगात

लोकसदन 03 अप्रैल 2025
रायगढ़, (ब्यूरो)।

पंजीयन विभाग जिला रायगढ़ ने इस वर्ष रिकॉर्ड तोड़ राजस्व हासिल किया है। इस वित्तीय वर्ष 2024-25 में रायगढ़ जिला पंजीयन कार्यालय को 126 करोड़ रुपए राजस्व प्राप्ति का लक्ष्य दिया गया था। जिसके विरूद्ध लगभग 245 करोड़ रूपए का राजस्व प्राप्त किया गया जो कि कुल लक्ष्य का 195 प्रतिशत है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व एवं

वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी के मार्गदर्शन में पंजीयन राजस्व वृद्धि के लिए विभिन्न प्रयास किए गए। जिसमें सुगम एप के माध्यम से पंजीबद्ध किए जाने वाले दस्तावेजों को मॉनिटर किया गया। इससे कर अपवंचन के मामलों के रोकथाम में बड़ी मदद मिली। वहीं पक्षकारों के दस्तावेज में पारदर्शिता रही। जिसका परिणाम रहा कि राजस्व अर्जन में बढ़ोत्तरी दर्ज की गई। गौरतलब है कि इस वर्ष प्राप्त राजस्व पिछले वर्ष की तुलना में 113 प्रतिशत अधिक है। राजस्व स्टाम्प एवं पंजीयन शुल्क के माध्यम से प्राप्त होता है। वर्ष 2024-25 में कुल 115 करोड़ रूपए का आय अर्जित किया गया था। इस वर्ष जिले में कुल 12,160 दस्तावेज पंजीबद्ध हुए हैं जबकि गत वर्ष 12,947 दस्तावेज पंजीबद्ध हुए थे। गत वर्ष की तुलना में 787 दस्तावेज की कमी रहने के बाद राजस्व अर्जन में वृद्धि हुई है।

वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी के प्रयासों से इस वर्ष के बजट में दो नए उप पंजीयक कार्यालय खोलने की स्वीकृति प्रदान की गयी है। बजट वर्ष 2025-26 में शामिल नवीन उप पंजीयन कार्यालय-उप पंजीयक कार्यालय पुसौर एवं उप पंजीयक कार्यालय सरिया में खोले जाएंगे। नवीन उप पंजीयक कार्यालय बनने से आम जनता/पक्षकारों को लाभ मिलेगा। पक्षकारों को पंजीयन कराने रायगढ़ और सारंगढ़ आने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। पक्षकारों को पंजीयन से संबंधित रिकार्ड इसी कार्यालय में उपलब्ध होंगे। उनके समय और परिवहन में लगने वाले व्यय की भी बचत होगी।

इसके साथ ही घरघोड़ा, धरमजयगढ़, खरसिया और सारंगढ़ में जो कार्यालय पुराने भवनों में चल रहे थे, उनके लिए उप पंजीयक कार्यालय के नवीन भवन निर्माण को भी स्वीकृति प्रदान की गई है। यह मॉडल उप पंजीयक कार्यालय के रूप में विकसित किए जाएंगे। ये चार भवन प्रत्येक 80 लाख रुपए की लागत से बनाए जाएंगे। जिससे यहां पंजीयन के लिए आने वाले पक्षकारों को सुविधा मिलेगी, अधिकारियों कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि होने के साथ सबसे महत्वपूर्ण यहां रिकॉर्ड व्यवस्था सुदृढ़ होगी।

रायगढ़ उप पंजीयक कार्यालय रायगढ़ का उन्नयन मॉडल ऑफिस के रूप में किया जाएगा:-रायगढ़ के उप पंजीयक कार्यालय का उन्नयन पासपोर्ट ऑफिस के तर्ज पर मॉडल ऑफिस के रूप में किया जाएगा। आधुनिक सुविधायुक्त कार्यालय होने से पक्षकारों को सहूलियत होगी। पंजीयन कार्यालय के काम काज और रिकॉर्ड का संधारण व्यवस्थित होगा।

पंजीयन विभाग द्वारा लगातार बढ़ाया गया पक्षकारों को दी जा रही सुविधाओं का दायरा:-वित्त मंत्री श्री ओ.पी.चौधरी के मार्गदर्शन में पंजीयन विभाग द्वारा पक्षकारों के लिए सुविधाओं का दायरा बढ़ाया गया। जिसमें दान, बंटवारानामा एवं हकत्याग (परिवार के मध्य) में होने पर पंजीयन शुल्क में कमी, एनजीडीआरएस वेबसाईट के माध्यम से पक्षकार सीधे सिटीजन पोर्टल में यूजर आईडी तैयार कर स्वयं दस्तावेज तैयार कर प्रस्तुत कर सकते हैं। वृक्षों के मूल्य को भूमि के मूल्य पर ही समाहित किया गया है। सुगम एप का लागू किया जाना, एनजीडीआरएस के सिटीजन पोर्टल में ऑनलाइन के समय ही स्टाम्प एवं पंजीयन शुल्क की जानकारी पक्षकारों को पारदर्शी तरीके से जानकारी प्राप्त होना जैसे कदम शामिल हैं।

सेवानिवृत्त सैनिक मुकेश साहू का घर वापसी पर भव्य स्वागत

लोकसदन 03 अप्रैल 2025
सारंगढ़-बिलाईगढ़, (ब्यूरो)।

जिले के गांव बिलासपुर टाटा के ग्रामवासियों ने सेना में सेवा देकर लौटे मुकेश साहू को उनके सेना की सेवा कार्य पूर्ण कर घर वापसी पर भव्य स्वागत किया। ग्रामवासी, इष्ट मित्र एवं परिवार वाले सभी बाजे-गाजे के साथ सरसीवां बस स्टेण्ड पहुंचे जहां मुकेश साहू का रंग-गुलाल, फूल माला व फटाकों से भव्य स्वागत एवं शाल श्रीफल से सम्मान किया गया। तत्पश्चात् सरसीवां से ग्राम बिलासपुर -टाटा तक रैली निकाली गई। जगह-जगह ग्राम वासियों द्वारा उनका स्वागत-सत्कार किया गया। अंत में उनके निवास स्थान पर स्वागत सभा का आयोजन किया गया। सेना में 20 साल सेवा दे चुके मुकेश साहू सरल स्वभाव के व्यक्ति होने के कारण हर छोटे बड़े लोगों से मित्रता है। इन्होंने सन 2005 से 2025 तक का सफर पूरा किया जहां ग्वालियर, कारगिल, जयपुर, असम, नागपुर और चंडीगढ़ में अपनी सेवाएं दी। समारोह में मुकेश ने समस्त ग्रामवासियों एवं अन्य सदस्यों को उनको दिए सम्मान के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

लघु कथा // ग़ज़ल

नैना गांगुली

मत पूछो हाल-ए-दिल, ये दर्द कैसा है,
ज़ख्म गहरे हैं, मगर मरहम भी तू जैसा है।
तन्हाई में भी तेरी यादों का बसेरा है,
हर सांस में तेरा ही नाम, ये कैसा सवेरा है।।

रोहरानंद

छत्तीसगढ़ रेरा की बड़ी पहल : रेरा के नए वित्तीय सुरक्षा मॉडल से रियल एस्टेट खरीददारों के हितों की होगी सुरक्षा

वित्तीय अनियमितताओं को रोकने और खरीदारों के हितों की रक्षा करने रेरा ने 17 बैंकों को किया सूचीबद्ध

लोकसदन 03 अप्रैल 2025
रायपुर, (ब्यूरो)।

छत्तीसगढ़ में रियल एस्टेट प्रोजेक्ट को समय पर पूरा करने और प्रोजेक्ट में भूमि -मकान आदि सम्पत्तियां खरीदने वाले लोगों के हितों को संरक्षित करने के उद्देश्य से रेरा ने रियल एस्टेट में वित्तीय अनुशासन और पादर्शिता लाने के लिए महत्वपूर्ण पहल की है। राजधानी रायपुर स्थित न्यू सर्किट हाउस में एक बैंक एम्पैनलमेंट इवेंट में रेरा ने 17 बैंकों को सूचीबद्ध किया और रियल एस्टेट प्रमोटरों के साथ अपने नए वित्तीय सुरक्षा मॉडल को साझा किया।

कार्यक्रम में रेरा के अध्यक्ष संजय शुक्ला ने बताया कि इस नए वित्तीय माडल का मुख्य उद्देश्य आबंटियों के निवेश को सुरक्षित रखना और धनराशि के दुरुपयोग को रोकना है। बैंकों के सिस्टम को रेरा नामित खातों के अनुरूप बनाया गया है ताकि लेनदेन में पारदर्शिता और वित्तीय अनुशासन बना रहे। साथ ही निधियों की निकासी, आवंटन और निगरानी सॉफ्टवेयर-आधारित प्रणाली के माध्यम से होगी, जिससे मानव हस्तक्षेप न्यूनतम होगा और गलतियों की संभावना कम होगी।

रेरा के अध्यक्ष श्री शुक्ला ने बताया कि इस नए वित्तीय माडल के अंतर्गत अब किसी भी रियल एस्टेट परियोजना में आबंटियों से प्राप्त कुल राशि का 70 प्रतिशत भाग एक रेरा नामित बैंक खाते में जमा करना अनिवार्य होगा। रियल एस्टेट सेक्टर में वित्तीय अनियमितताओं को रोकने और खरीदारों के हितों की रक्षा करने के लिए रेरा ने बैंकों को इस प्रक्रिया में शामिल किया है। सरकार द्वारा इस

प्रणाली को अपनाने से रियल एस्टेट क्षेत्र को सुव्यवस्थित करने में मदद मिलेगी। तय नियमों के तहत वित्तीय प्रबंधन आसान होगा, जिससे परियोजनाओं को सुचारू रूप से पूरा किया जा सकेगा। रियल एस्टेट क्षेत्र में वित्तीय अनुशासन और पारदर्शिता को बढ़ावा देगा, जिससे सभी हितधारकों को लाभ मिलेगा।

रेरा के अध्यक्ष श्री शुक्ला ने कहा कि इस नई व्यवस्था के तहत आबंटियों से प्राप्त धनराशि स्वचालित रूप से 70 प्रतिशत रेरा खाते में और 30 प्रतिशत अन्य आवश्यकताओं के लिए सुरक्षित होगी। यह राशि केवल परियोजना के वास्तविक विकास कार्य और उसके अनुपात में ही खर्च की जा सकेगी। बैंकों के सिस्टम को रेरा नामित खातों के अनुरूप बनाया गया है ताकि लेनदेन में पारदर्शिता और वित्तीय अनुशासन बना रहे। साथ ही निधियों की निकासी, आवंटन और निगरानी सॉफ्टवेयर-आधारित प्रणाली के माध्यम से होगी, जिससे मानव हस्तक्षेप न्यूनतम होगा और गलतियों की संभावना कम होगी। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ रेरा के सदस्य श्री धनंजय देवांगन, रजिस्ट्रार सुश्री आस्था राजपूत, क्रेडाई छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष श्री पंकज लाहोरी एवं विभिन्न बैंकों के जोनल हेड शामिल हुए।

हर प्रोजेक्ट के लिए मिलेगा रियल-टाइम अपडेट:-रेरा के इस पहल से बैंकों, प्रमोटरों और रियल एस्टेट के खरीदारों को लाभ होगा। इसके तहत सूचीबद्ध बैंकों को अब भौतिक दस्तावेजों की आवश्यकता नहीं होगी, जिससे संचालन सुगम होगा। हर प्रोजेक्ट के लिए रियल-टाइम अपडेट मिलेगा, जिससे वित्तीय पारदर्शिता बढ़ेगी। बैंकिंग प्रक्रियाओं को सरल बनाया गया है, जिससे निधियों की सुरक्षित निकासी सुनिश्चित होगी। रियल एस्टेट प्रमोटरों और डेवलपर्स को अब बार-बार दस्तावेज जमा नहीं करने पड़ेंगे क्योंकि अब सभी दस्तावेज़ डिजिटल रूप से उपलब्ध होंगे जिससे प्रशासनिक प्रक्रिया सरल होगी।

इसी तरह रियल एस्टेट खरीदारों को भी लाभ होगा। खरीदारों की जमा की गई धनराशि सुरक्षित रहेगी और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि उनका पैसा सही ढंग से उपयोग हो। साथ ही परियोजनाओं को तय समय पर पूरा करने के लिए प्रमोटरों पर दबाव बनेगा, जिससे खरीदारों को घर मिलने में देरी नहीं होगी। वित्तीय अनुशासन मजबूत होने से रियल एस्टेट क्षेत्र में भरोसा बढ़ेगा।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी समन्वय स्थापित कर स्वास्थ्य सुविधा को बेहतर करें - कलेक्टर

स्वास्थ्य केंद्रों में संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के दिये निर्देश, कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा की

लोकसदन 03 अप्रैल 2025
गरियाबंद, (ब्यूरो)।

कलेक्टर ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा बीएमओ को निर्देशित किया कि स्वास्थ्य विभाग के अधीनस्थ कर्मचारियों, मैदानी स्तर के अमलो के साथ समन्वय स्थापित कर जिले में स्वास्थ्य सुविधा को बेहतर बनाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री जी.आर. मरकाम, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गार्गी यदु पाल सहित सभी विकासखंड के बीएमओ, संबंधित नोडल अधिकारी, बीपीएम एवं संबंधित प्रभारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत संचालित सभी योजनाओं की कार्य प्रगति की जानकारी लेते हुए योजनाओं के संचालन में प्रगति लाने हेतु आवश्यक कार्य योजना तैयार कर प्रस्तुत करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि आम लोगों के लिए स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सा सेवा अनिवार्य रूप से उपलब्ध हो, इसका पालन सुनिश्चित करें। कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल ने स्वास्थ्य केन्द्रों में गर्भवती महिलाओं का नियमित पंजीकरण, मातृत्व सुरक्षा अभियान अन्तर्गत नियमित जांच एवं आवश्यक परामर्श प्रदान करने के साथ ही संस्थागत प्रसव, टीकाकरण, बाल पोषण सहित अन्य योजनाओं में लक्ष्यानुसार प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। सभी मरीजों को अस्पताल के व्यवस्था अनुरूप चिकित्सकीय सुविधाएं उपलब्ध कराये। उन्होंने स्वास्थ्य केन्द्रों के निर्माणाधीन भवनों को शीघ्र पूरा करने एवं जर्जर भवनों को डिस्मेंटल करने के निर्देश दिये। साथ ही संजीवनी एक्सप्रेस, महतारी एक्सप्रेस, मुक्तांजलि एक्सप्रेस, शासकीय

एम्बुलेंस एवं मोबाईल मेडिकल यूनिट की जानकारी लेते हुए कहा कि जो गाड़ियां काफी पुरानी हो गई है। ऐसे वाहनों को राईटअप कराये। मोबाईल मेडिकल यूनिट में चिकित्सक नहीं होने पर संबंधित एजेंसी का भुगतान रोकने के निर्देश दिये।

कलेक्टर श्री अग्रवाल ने स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से शत-प्रतिशत संस्थागत प्रसव पर जोर देते हुए कहा कि प्रसव के दौरान महिला और शिशु की सुरक्षा के लिए ही जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत अस्पताल में सुरक्षित प्रसव कराने की योजना चलाई जा रही है। उन्होंने गर्भवती माताओं का निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत शत प्रतिशत पंजीयन एवं एएनसी जांच कराने, आयरन, कैल्शियम, फोलिक एसिड सहित अन्य आवश्यक दवाईयां उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं में कम प्रगति वाले केन्द्रों के जिम्मेदार स्वास्थ्य कर्मियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। फिंगेश्वर के बीपीएम द्वारा अधिकांश स्वास्थ्य इंडिकेटर्स में पीछे होने पर उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करने को कहा। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मितानिन स्वास्थ्य कार्यकर्ता के माध्यम से पंचायत स्तर पर प्रारम्भ से ही गर्भवती महिला की जानकारी एकत्र कर उन्हें आवश्यक परामर्श प्रदान कर उन्हें जागरूक करने की बात कही। उन्होंने जिले में मातृ मृत्यु दर, शिशु मृत्यु दर एवं परिवार नियोजन के संबंध में जानकारी लेते हुए कमी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने नियमित टीकाकरण की जानकारी लेतु हुए बच्चों के सम्पूर्ण टीकाकरण करने की बात कही। उन्होंने कहा कि कोई भी बच्चा टीकाकरण से वंचित न रहे। इसके अलावा सिकल सेल, एनिमिया सहित अन्य बीमारियों का भी जांच कर उपचार करने कहा। साथ ही सभी स्वास्थ्य केंद्रों में आईएफए, कैल्शियम सहित अन्य आवश्यक दवाइयों का भंडार सुनिश्चित कर उनका हितग्राहियों को वितरित करने के लिए निर्देशित किया। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत चिरायु की टीम स्कूल एवं आंगनबाड़ी केन्द्र में पहुंचकर बच्चों का नियमित रूप से स्वास्थ्य जांच कर उपचार करें।

कलेक्टर ने बैठक में विकासखण्ड चिकित्सा अधिकारियों को सभी अस्पतालों में मरीजों के लिए आवश्यक मात्रा में दवाइयां भंडारण करने, अपने क्षेत्र अंतर्गत आने वाले अस्पतालों का नियमित निरीक्षण करने तथा अस्पताल में उपलब्ध अधोसंरचना का बेहतर से बेहतर उपयोग करने के निर्देश दिये। उन्होंने अस्पताल को नियमित रूप से साफ-सफाई कराने एवं सर्व सुविधायुक्त बनाए रखने की बात कही। ताकि विशेष परिस्थितियों में आने वाले मरीजों को इलाज में किसी भी प्रकार की परेशानी न हो।

बैठक में स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अमले को उनके निर्धारित मुख्यालय में उपस्थित रहकर लोगों की सेवा करने के निर्देश दिये। साथ ही सभी जिला स्तरीय एवं खण्ड स्तरीय अधिकारियों को अपने क्षेत्र में निगरानी रखते हुए नियमित क्षेत्र भ्रमण करने कहा। जिन क्षेत्रों में बीमारी फैलने की संभावना अधिक रहती है, ऐसे क्षेत्रों पर स्वास्थ्य टीम पहले से पहुंचकर उनके रोकथाम के लिए आवश्यक पहल करें। इस दौरान कलेक्टर ने बैठक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित अन्य सभी योजनाओं की भी समीक्षा कर योजनाओं में प्रगति लाने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया। कलेक्टर ने सभी स्वास्थ्य अधिकारी-कर्मचारियों को प्रतिदिन बायोमेट्रिक उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

समितियों में खाद का भंडारण प्रारंभः किसान शीघ्र करें उठाव

लोकसदन 03 अप्रैल 2025
सारंगढ़-बिलाईगढ़, (ब्यूरो)।

आगामी जून जुलाई की खरीफ फसल सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के किसान मुख्य रूप से धान की खेती करते हैं। इस फसल में प्रमुख खाद यूरिया एवं डीएपी का बहुतायत में उपयोग किया जाता है। जिले के किसानों को सुगमतापूर्वक रासायनिक खाद उपलब्ध कराने हेतु अग्रिम उठाव करने के लिये प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस वर्ष डी.ए.पी. की अल्प आपूर्ति संभावित है, जिसको देखते हुए उप संचालक कृषि आशुतोष श्रीवास्तव ने जिले के किसानों को अन्य विकल्प के खादों का उपयोग करने की सलाह दी है। उन्होंने कहा है कि सभी कृषि साख समितियों में खाद का भंडारण किया जा रहा है। सभी किसान अपने समिति में जाकर खाद की उपलब्धता पर खाद का उठाव अपनी सुविधा अनुसार शीघ्र कर लें। यूरिया एसएसपी का उपयोग डीएपी के विकल्प के रुप में किया जा सकता है जो कि विपणन संघ के डबल लॉक में पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध करायी जा रही है। प्रारंभिक डोज के रुप में पौधों को फॉस्फोरस की आवश्यकता होती है जो एसएसपी में पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। यह जड़ों के विकास के लिए आवश्यक है। एसएसपी के उपयोग से 16 प्रतिशत फॉस्फोरस, 11 प्रतिशत सल्फर तथा 18-21 प्रतिशत कैल्शियम प्राप्त होता है। एक बोरी डीएपी से मिलने वाले तत्वों की पूर्ति हेतु आधा बोरी यूरिया तथा तीन बोरी एसएसपी (सिंगल सुपर फॉस्फेट) का प्रयोग किया जा सकता है।

राज्यपाल ने विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों से की मुलाकात

समूह की महिलाओं को बेहतर कार्य के लिए किया प्रोत्साहित

लोकसदन 03 अप्रैल 2025
बलौदाबाजार, (ब्यूरो)।

राज्यपाल रमेन डेका ने आज बलौदाबाजार - भाटापारा जिले के एक दिवसीय प्रवास के दौरान संयुक्त जिला कार्यलय के जनदर्शन कक्ष मे विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों से मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने हितग्राहियों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत कर उनके अनुभव से अवगत हुए। उन्होंने स्व सहयता समूह की महिलाओं को मेहनत

व लगन से कार्य करते हुए बेहतर प्रदर्शन करने प्रोत्साहित किया।

इस दौरान राज्यपाल ने 'हम होंगे कामयाब' अंतर्गत विभिन्न कंपनियों मे नियोजित युवायों को प्रशस्ति पत्र देकर प्रोत्साहित किया जिनमें तरुण कुमार जायसवाल, गणेश्वर पैकरा, दामिनी ध्रुव, हेमलता ध्रुव, तुलेश्वर मानिकपुरी, अमावस ध्रुव, विवेक साहू, राहुल साहू, तेजप्रकाश, सतानंद कन्नौजे, ललित बर्मन, हेमलाल निषाद, हरिशंकर और गौरव शामिल हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत 5 हितग्राहियो को आवास की चाबी सौंपा। इसके साथ ही समाज कल्याण विभाग के द्वारा 8 दिव्यांगजनों सहायक उपकरण प्रदान किये। तीज राम वर्मा और कुमारी बीना साहू को मोटराइज्ड ट्राइसायकल प्रदान की गई, वहीं करन यादव, कौशिल्या बंजारे, घनश्याम और बुधराम वर्मा को व्हीलचेयर दी गई। इसी प्रकार नवीन बघेल को बैसाखी प्रदान कर उनके जीवन को सुगम बनाने की पहल की गई।

इस अवसर पर कलेक्टर दीपक सोनी, राज्यपाल के उप सचिव हिना अमिनेश नेताम, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल, वनमण्डलाधिकारी मयंक अग्रवाल, सीईओ जिला पंचायत दिव्या अग्रवाल, अपर कलेक्टर दीप्ति गोते सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, संपादक कमल रोहरा के लिए डी.बी. कार्प. लिमिटेड, नियर नर्मदा कोल्ड ड्रिंक्स सिरगिट्टी, बिलासपुर (छत्तीसगढ़) द्वारा मुद्रित और रानी रोड, कोरबा 495677 छग से प्रकाशित। संपादक-कमल रोहरा। मो. नं.-98279-45101